संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 168
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
शुक्रवार 18 सितम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

'7 दिन में माफी मांगो...'

दिशा सालियान के पिता ने आदित्य ठाकरे-अनिल देशमुख को भेजा 500 करोड़ का नोटिस

नोटिस में दोनों नेताओं की ओर से दिए गए कुछ बयानों पर आपत्ति जताई गई है।

एजेंसी

मुंबई । दिशा सालियान मौत मामले में एक बार फिर बड़ा कानूनी मोड़ सामने आया है। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। नोटिस में दोनों नेताओं की ओर से दिए गए कुछ बयानों पर आपत्ति जताई गई है। सतीश सालियान ने मांग की है कि इन बयानों को वापस लिया जाए, सार्वजनिक रूप से माफी मांगी जाए और उन्हें 500 करोड़ रुपए का हर्जाना दिया जाए। इसके लिए दोनों को 7 दिन का समय दिया गया है। यह नोटिस ऐसे समय आया है, जब दिशा सालियान की मौत का मामला एक बार फिर चर्चा में है और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इसकी जांच कर रही है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और पुराने जांच रिकॉर्ड, पुलिस की कार्रवाई, गवाहों के बयान, फॉरेंसिक और पोस्टमॉर्टम से जुड़े दस्तावेजों समेत कई पहलुओं की नए सिरे से जांच शुरू की है।

मानहानि नोटिस में सतीश सालियान ने आदित्य ठाकरे और अनिल देशमुख के कुछ बयानों

को लेकर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इन बयानों से उनकी और उनके परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इसी वजह से उन्होंने दोनों नेताओं से बयान वापस लेने और माफी मांगने की मांग की है। नोटिस में 500 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग भी की गई है। फिलहाल इस नोटिस पर दोनों नेताओं की ओर से प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब पूरे मामले की बात करें तो दिशा सालियान सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक इमारत से गिरने के बाद उनकी मौत हुई थी। शुरुआती जांच में मुंबई पुलिस ने इसे आत्महत्या माना था और कहा था कि जांच के दौरान हत्या या किसी साजिश के पर्याप्त सबूत नहीं मिले। हालांकि, दिशा के पिता सतीश सालियान लगातार इस निष्कर्ष पर सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने अपनी बेटी की मौत की परिस्थितियों की नए सिरे से जांच की मांग की और मामले को बॉम्बे हाईकोर्ट तक ले गए।

अन्नपूर्णा योजना की नई किस्त जारी

पीएम मोदी बोले-इससे महिलाओं का बढ़ता है आत्मविश्वास

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर पश्चिम बंगाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अन्नपूर्णा योजना की नई किस्त जारी की गई। पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा कि अन्नपूर्णा योजना के रूप में बंगाल की माताओं-बहनों से नया सामर्थ्य जुड़ा है। उन्होंने इस योजना से लाभ पाने वाली हर महिला को बधाई और शुभकामनाएं दीं। पीएम

बंगाल की बहनों के बैंक खातों में हर महीने एक निश्चित राशि पहुंचेगी, जिसके लिए उन्हें किसी से कहना नहीं पड़ेगा।

मोदी ने कहा, 'घर में हमारी माताओं-बहनों के कंधों पर बहुत सारी जिम्मेदारियां होती हैं। अनेक छोटे-बड़े फैसलों के बीच, एक महिला हर तरीके से परिवार का ख्याल रखती है और जब उनके पास जरूरी खर्चों की चिंता कम होती है, तो उनका आत्मविश्वास और बढ़ जाता है। अन्नपूर्णा योजना बंगाल की महिलाओं के आत्मविश्वास को मजबूती देने का ऐसा ही महत्वपूर्ण प्रयास है।' प्रधानमंत्री ने बताया कि बंगाल की बहनों के बैंक खातों में हर महीने एक निश्चित राशि पहुंचेगी, जिसके लिए उन्हें किसी से कहना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ये उनके लिए बहुत बड़ा संबल है।

पीएम मोदी ने कहा, 'आज करीब 1.5 करोड़ बहनों के खातों में अन्नपूर्णा योजना की चौथी किस्त पहुंच रही है यानी हर महीने 3,000 रुपए। ये किसी मां के लिए बच्चे की पढ़ाई का खर्च हो सकता है। किसी बहन के लिए दवा या घर की कोई जरूरी चीज खरीदने

का सहारा हो सकता है। हमारी सोच है, बंगाल की महिलाओं के पास फैसले की ताकत भी हो और आगे बढ़ने का हौसला भी हो। '

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि एक भी पात्र महिला अन्नपूर्णा योजना के लाभ से वंचित न रहे और इसके लिए तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने कहा, 'सरकार बनने के कुछ ही दिनों के भीतर अन्नपूर्णा योजना पर काम शुरू हो गया था। आज कई महिलाओं को सीधे उनके बैंक खातों में वित्तीय सहायता मिल रही है। इसमें कोई बिचौलिया नहीं है और कोई 'कट मनी' नहीं है। ' उन्होंने कहा कि माताओं, बहनों, बेटियों के जीवन चक्र से जुड़ी हर समस्या का समाधान करना भाजपा सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने बताया, 'गर्भावस्था के दौरान शिशु को पौष्टिक खाना मिले, इसके लिए हमने मातृ वंदना योजना चलाई, माताओं के खातों में पैसा भेजना शुरू किया। बेटी को कोख में ही न समाप्त कर दिया जाए, इसके लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना शुरू की। ' प्रधानमंत्री ने कहा, 'बेटी जब बड़ी होकर स्कूल जाने लगे तो शौचालय न होने की वजह से स्कूल न छोड़े, इसके लिए करोड़ों शौचालय बनाए। बेटी की शिक्षा जारी रहे, इसके लिए सुकन्या समृद्धि योजना में इतना ब्याज दिया। बेटी के लिए सैनिक स्कूलों के द्वार खोले। बेटी अपना काम शुरू कर सके, इसके लिए बिना ब्याज मुद्रा योजना शुरू की। ' जानकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल सरकार ने पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर अन्नपूर्णा योजना के तहत पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 3000 रुपए की वित्तीय सहायता डीबीटी के जरिए भेजी है। पश्चिम बंगाल सरकार की अन्नपूर्णा योजना के तहत 25 से 60 वर्ष की महिलाएं जो पश्चिम बंगाल की स्थायी निवासी हैं, उन्हें हर महीने सीधे उनके बैंक खाते में 3,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है।

पीडीएस चावल तस्करी मामले में 5 लाख की रिश्वत लेते एसआई गिरफ्तार

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पीडीएस चावल तस्करी के एक मामले में कथित रूप से पांच लाख रुपये की रिश्वत लेते केसरा पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) ज्ञानेन्द्र रेड्डी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी की कार्रवाई की गई। एसीबी के अनुसार, एसआई ने मामले में मदद करने और पुलिस स्टेशन में आगे किसी तरह के उत्पीड़न से बचाने का आश्वासन देकर शिकायतकर्ता से कथित तौर पर रिश्वत की मांग की थी। बताया गया कि रिश्वत की शुरुआती मांग आठ लाख रुपये थी, जिसे बाद में घटाकर छह लाख रुपये कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने अंततः पांच लाख रुपये की व्यवस्था कर एसआई को देने की सहमति जताई। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। एसआई को केसरा लेक के पास एक कार में नकदी लेते समय रंगे हाथों पकड़ा गया।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में चल रहे अभियान में दो आतंकवादी ढ़ेर

मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जा रही है।

एजेंसी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में संयुक्त बलों ने कम से कम दो आतंकवादियों को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिले के माजलता से संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद, संयुक्त बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके बाद आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ (गोलीबारी) हुई। अधिकारियों ने बताया, 'इसके बाद हुई गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए हैं। इलाके में अभियान अभी भी जारी है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जा रही है। '

इस अभियान की शुरुआत जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना के विशेष पैरादूपर्स ने की थी। मुठभेड़ शुरू होते ही तुरंत अतिरिक्त बल मौके पर भेजे गए। भारतीय सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की

एक संयुक्त टीम इलाके में तलाशी अभियान चला रही थी।

राजौरी में लश्कर-ए-तैबा (एलईटीटी) से जुड़े एक कथित ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) नेटवर्क का हाल ही में भंडाफोड़ होने के बाद पीर पंजाल क्षेत्र में सुरक्षा गतिविधियों को तेज कर दिया गया है, इसी बीच यह अभियान चलाया गया है। 15 सितंबर को राजौरी पुलिस ने पीर पंजाल क्षेत्र में सक्रिय एक कथित आतंकी मॉड्यूल के संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान जाकिर हुसैन, मोहम्मद आजम और मोहम्मद मुश्ताक के रूप में हुई है।

शेड्यूल दवाओं की बिक्री पर सरकार सख्त

मेडिकल स्टोर पर सीसीटीवी लगाना होगा जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं पर निगरानी को और सख्त करने का फैसला किया है। गुरुवार को सरकार ने कहा कि उसने मेडिकल स्टोर पर अनिवार्य रूप से सीसीटीवी निगरानी लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि इन दवाओं की अवैध बिक्री को रोका जा सके। स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'ड्रग्स रूल्स, 1945' में संशोधन का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए 8 सितंबर को एक ड्राफ्ट गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस प्रस्तावित संशोधन का मकसद शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं की अनधिकृत पहुंच और बिक्री से जुड़ी चिंताओं को दूर करना है। भारत में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स (1945) के तहत शेड्यूल एच, एच1 और एक्स

ऐसी दवाएं हैं जिनके दुरुपयोग को रोकने के लिए सरकार ने बिक्री और पर्ची पर कड़े नियम बनाए हैं। मंत्रालय ने कहा कि इस संशोधन के लागू होने के बाद शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं की बिक्री और वितरण की निगरानी मजबूत होगी और बिना वैध पर्ची के इनकी अनधिकृत बिक्री पर रोक लगेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, 'प्रस्तावित सीसीटीव निगरानी प्रणाली से फार्मा सप्लाई चेन में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ेगी, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा और मजबूत होगी। ' बताया गया कि इस प्रस्ताव पर पहले ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी (डीसीसी) में विचार किया गया था और बाद में इसे ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) के सदस्यों के बीच चर्चा के लिए भेजा गया था।

रूस से तेल खरीद पर अमेरिकी कानून को लेकर भारत सतर्क

कहा-हितों की रक्षा के लिए उठाएंगे कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस से तेल-गैस खरीद पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने वाले अमेरिकी कानून 'सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट' पर भारत ने कहा कि सरकार घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस ने एक ऐसा कानून पारित किया है, जिसके तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों के सामान पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। भारत सरकार ने अमेरिकी कांग्रेस में 'सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट' पर ध्यान रख रही है। मंत्रालय ने कहा कि जैसा कि भारत पहले भी कई बार स्पष्ट कर चुका है, देश अपने 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत आगे भी

विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा हासिल करने और बाजार की बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यही नीति जारी रखेगा।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में इस मुद्दे पर अमेरिका के विभिन्न अधिकारियों के साथ उच्च स्तर पर चर्चा की गई है। भारत ने स्पष्ट रूप से बताया है कि इस कानून का असर केवल भारत-अमेरिका संबंधों पर ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर भी पड़ सकता है।

भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि वह अपने व्यापारिक और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सरकार इन घटनाक्रमों के संभावित प्रभावों से निपटने के लिए भारतीय व्यापार और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर नितिन नवीन ने किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

'प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में बड़ी संख्या में लोगों के जीवन में बदलाव आया है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु और निरंतर सफलता की कामना की। पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए

नितिन नवीन ने कहा कि 17 सितंबर भगवान विश्वकर्मा की पूजा का दिन भी है और आधुनिक भारत के शिल्पकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भी। उन्होंने प्रधानमंत्री को देश का 'प्रधान सेवक' बताते हुए कहा कि उनके जन्मदिन के अवसर पर भाजपा 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत कर रही है और इस दिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में भाजपा कार्यकर्ता रक्तदान अभियान शुरू कर रहे हैं। उन्होंने रक्तदान कार्यक्रम में शामिल होने को अपना सौभाग्य बताया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में बड़ी संख्या में लोगों के जीवन में बदलाव आया है। उनके मुताबिक यह बदलाव केवल लोगों की जीवन परिस्थितियों तक सीमित नहीं है, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सोच में भी परिवर्तन आया है। आज देशवासी 'नेशन फर्स्ट' की भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में लोग प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दे रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के दीर्घायु और निरंतर सफलता की कामना करते हुए कहा कि भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में बढ़ते हुए वैश्विक मंच पर अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल करेगा।

मराठा आरक्षण : मनोज जरांगे ने वापस ली भूख हड़ताल

सरकार को तीन महीने का दिया समय

एजेंसी

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल ने गुरुवार को सुबह बीड़ जिले के पाटोदा में राज्य सरकार से मिले आश्वासन के बाद अपनी 20 दिनों से चल रही भूख हड़ताल को वापस लेने का निर्णय लिया है। हालांकि, जरांगे ने स्पष्ट किया है कि भूख हड़ताल सिर्फ स्थगित की गई है और मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने 90 दिनों यानी तीन महीने के अंदर उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो वे अब सीधे मुंबई के आजाद मैदान पर भूख हड़ताल करेंगे। मनोज जरांगे से मिलने के

लिए आज सुबह करीब पांच बजे महाराष्ट्र सरकार के मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, दादा भूसे, विधायक सुरेश धस, प्रसाद लाड बीड़ जिले के पाटोदा में पहुंचे थे। राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ करीब डेढ़ घंटे तक चर्चा करने के बाद जरांगे ने मंत्री विखे पाटिल के हाथ से जूस पीकर भूख हड़ताल खत्म करने की घोषणा की है। बैठक के बाद जरांगे पाटिल ने सरकार को अपनी मांगों को लागू करने के लिए 90 दिनों का समय दिया है। उन्होंने इस अवधि में सतारा गजट को सख्ती से लागू करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर सरकार की ओर से इस दौरान किसी तरह की धमकी या ऐसी कोई कार्रवाई की गई, जिसे आंदोलन के खिलाफ माना जाए, तो वे पूरी ताकत के साथ दोबारा मुंबई पहुंचेंगे। उन्होंने मुंबई की ओर निकल चुके मराठा प्रदर्शनकारियों से भी अपने-अपने घर लौटने की अपील की है। भूख हड़ताल खत्म करने के बाद वे आगे के इलाज के लिए जालना जिले के अंतरवाली सराटी की ओर रवाना हो गए। दरअसल, मनोज जरांगे ने मराठा आरक्षण और उससे संबंधित 15 मांगों को लेकर जालना जिले के अंतरवाली सराटी में 29 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरु की थी।

स्टेम सेल थेरेपी को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय की एडवाइजरी, ऑटिज्म में इलाज केवल क्लिनिकल ट्रायल तक सीमित

'नियमों का उल्लंघन होने पर संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ पेशेवर कदाचार की कार्रवाई हो सकती है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्टेम सेल थेरेपी के नियमन को लेकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एडवाइजरी जारी की है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि स्टेम सेल थेरेपी को नियमित और मानक इलाज के तौर पर केवल उन्हीं बीमारियों और स्थितियों में इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिन्हें मंत्रालय ने मंजूरी दी है। मंत्रालय द्वारा 16 सितंबर को जारी एडवाइजरी में कहा कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एइसडी) के इलाज के लिए किसी भी प्रकार की स्टेम सेल थेरेपी को फिलहाल केवल विधिवत मंजूर क्लिनिकल ट्रायल के तहत ही किया जा सकेगा। इसके लिए 2017 की आईसीएमआर- डीबीटी नेशनल गाइडलाइंस फॉर स्टेम सेल रिसर्च और समय-समय पर जारी अन्य सरकारी निर्देशों का पालन जरूरी होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को सभी संबंधित राज्य और जिला नियामक प्राधिकरणों तथा सरकारी और निजी क्लिनिकल संस्थानों

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
सत्यमेव जयते

तक व्यापक रूप से पहुंचाया जाए। खासतौर पर उन संस्थानों को इन नियमों का पालन करना होगा जो स्टेम सेल रिसर्च, इलाज, प्रचार या इसके इस्तेमाल से जुड़े हैं। एडवाइजरी में साफ किया गया है कि बिना प्रमाण वाली स्टेम सेल थेरेपी, जिसमें ऑटिज्म के लिए स्टेम सेल उपचार भी शामिल है, को नियमित, मानक या व्यावसायिक क्लिनिकल सेवा के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। यह एडवाइजरी उच्चतम न्यायालय के 30 जनवरी, 2026 के यश चेरिटेबल ट्रस्ट और अन्य बनाम भारत सरकार मामले में दिए गए फैसले के बाद जारी की गई है। कोर्ट ने नियमों का पालन नहीं करने पर पेशेवर कदाचार सहित कानूनी और नियामकीय कार्रवाई की बात कही थी। मंत्रालय ने बताया कि नियमों का उल्लंघन होने पर संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ पेशेवर कदाचार की कार्रवाई हो सकती है। इसके अलावा क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट, 2010 के तहत संस्थान का पंजीकरण रद्द करने और जुर्माने जैसी कार्रवाई का भी प्रावधान है।वहीं, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने भी 5 सितंबर, 2026 की अपनी एडवाइजरी में दोहराया है कि स्टेम सेल थेरेपी को मानक चिकित्सा सेवा के तौर पर केवल स्वीकृत बीमारियों और संकेतों के लिए ही दिया जा सकता है। स्वीकृत दायरे से बाहर स्टेम सेल थेरेपी का बिना अनुमति इस्तेमाल, उसका प्रिस्क्रिप्शन, प्रचार या विज्ञापन पेशेवर कदाचार माना जा सकता है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर ष्टरू भजनलाल शर्मा ने दी बधाई, बोले- देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा

एजेंसी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की 8 करोड़ जनता की ओर से देश के 140 करोड़ लोगों के प्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री को राष्ट्र सेवा, सुशासन और जन-कल्याण के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक बताते हुए उन्हें हर व्यक्ति का मार्गदर्शक कहा। सीएम शर्मा ने अपने संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशल अगुवाई में देश विकास, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए शुभकामनाओं का दीप जलाते हुए उनके उज्ज्वल और स्वस्थ जीवन की कामना करनी चाहिए।

इंदौर में जर्जर मकान तोड़ते समय गिरी दीवार, मलबे में दबने से चार महिलाओं की मौत

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में सांवेर के टशन चौराहे के पास एक पुराने जर्जर मकान को तोड़ते समय उससे लगे दूसरे मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार की चपेट में आने से वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और नगर परिषद की टीम ने जेसीबी से मलबा हटाकर रेस्क्यू किया। मामले में मकान मालिक को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी मिलने पर जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सभी मृतकों के परिजन को मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सांवेर के सभी जर्जर मकानों को चिन्हित कर तोड़ा जाएगा। जानकारी के अनुसार, सांवेर के टशन चौराहे के पास बुधवार शाम करीब चार बजे एक जर्जर मकान तोड़ा जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह बिल्डिंग 'नेताजी' के नाम से प्रसिद्ध है। इसे तोड़ते समय पास के दूसरे मकान की पुरानी और जर्जर दीवार ढह गई। इसके नीचे मजदूर दब गए। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।

दिवंगत अधिवक्ताओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी मुख्यमंत्री ने, परिवार को दिया आर्थिक संबल

गोरखपुर। हर जरूरतमंद के साथ आत्मिक संवेदना रखते हुए भरपूर सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगत अधिवक्ताओं आलोक कुमार अस्थाना और संजय सिंह के परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया। दोनों अधिवक्ताओं की 6 सितंबर को आकाशीय बिजली की चपेट में आकर दुखद मृत्यु हो गई थी। गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने दोनों अधिवक्ताओं के घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा संवेदना व्यक्त करते हुए उनके परिजनों को 15-15 लाख रुपये के चेक सौंपे। कल्याण मंडपम का लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री रासीनगर विस्तार कॉलोनी में दिवंगत अधिवक्ता आलोक कुमार अस्थाना के घर पहुंचे। यहां उन्होंने स्मृतिशेष अस्थाना के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने परिजनों को 10 लाख रुपये की धनराशि का चेक मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से तथा 5 लाख रुपये का चेक अधिवक्ता कल्याण कोष से प्रदान किया। इसके बाद वह शक्ति नगर में दिवंगत अधिवक्ता संजय सिंह के घर गए। उनके चित्र पर पुष्पार्चन कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने संजय सिंह के परिवार को 10 लाख रुपये की राशि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से तथा 5 लाख रुपये की धनराशि अधिवक्ता कल्याण कोष से प्रदान की।

पंचायत सहायकों को मुख्यमंत्री योगी की बड़ी सौगात, मानदेय में 50 फीसदी की बढ़ोतरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को बड़ी सौगात दी है। उनके मानदेय में तीन हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अभी पंचायत सहायकों को छह हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जिसे बढ़ाकर नौ हजार रुपये किया जाएगा। इस तरह मानदेय में 50 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही पंचायत सहायकों को सेवा सुरक्षा, कैशलेस उपचार और महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा भी मिलेगी। पंचायत सहायकों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्ता के बाद पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पंचायत सहायकों के प्रतिनिधियों से बातचीत की और उन्हें बुलाया।

हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनाया जाए: सीएम

सीएम ने दिया भरोसा, हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने कहा कि सरकार इलाज में पूरी मदद करेगी। इसके लिए जरूरतमंद लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा और इसके बाद भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनाया जाए: सीएम योगी

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान

सीएम योगी करीब 150 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्रों का अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने अलग-अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किए। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

दिव्यांग के इलाज की व्यवस्था, पेंशन भी बहाल होगी

जनता दर्शन में देवरिया जनपद से आए एक दिव्यांग ने इलाज के लिए सहायता देने का निवेदन किया। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को समुचित व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया। दिव्यांग से बातचीत में जैसे ही सीएम को उसका आयुष्मान कार्ड न होने की जानकारी हुई तो उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द आयुष्मान कार्ड बनवा दिया जाए। सीएम ने उससे दिव्यांग पेंशन के बारे में भी पूछा तो पता चला कि पेंशन मिलती थी, लेकिन किंचित कारणों से अभी बंद है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उक्त दिव्यांग की पेंशन बहाल कराने के लिए निर्देशित किया।

गोशाला में गोसेवा की सीएम ने

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ और अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी का आशीर्वाद लेने के बाद सीएम योगी ने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। गोवंश को अपने हाथ से गुड़ खिलाकर उन पर स्नेह बरसाया। उन्होंने गोशाला के कार्यकर्ताओं से गोवंश के स्वास्थ्य एवं टीकाकरण की जानकारी ली और देखभाल के जरूरी दिशानिर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर नितिन नवीन ने दी शुभकामनाएं

की 'आशीर्वाद का दीया' जलाने की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर राष्ट्रसेवा की शक्ति की कामना की। उन्होंने प्रधानमंत्री को 140 करोड़ देशवासियों का नेतृत्वकर्ता और राष्ट्रसेवा का प्रतीक बताया। गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक जीवन की यात्रा सेवा, सुशासन और जनकल्याण की प्रेरक गाथा रही है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि देशवासियों के सामूहिक सपनों को दिशा देने की यात्रा भी है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भारत विकास और आत्मनिर्भरता के नए आयाम गढ़ रहा है तथा विश्व पटल पर अपनी पहचान और सामर्थ्य को लगातार मजबूत कर रहा है। उन्होंने ईश्वर से प्रधानमंत्री मोदी को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर राष्ट्रसेवा की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। दक्षिण-इससे पहले प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के

अवसर पर नितिन नवीन ने देशवासियों से 17 सितंबर की शाम 6 से 7 बजे के बीच अपने घरों में 'आशीर्वाद का दीया' जलाने की अपील की है। इस अभियान के तहत प्रधानमंत्री के प्रति शुभकामनाएं और आशीर्वाद व्यक्त करने का आह्वान किया गया है। नितिन नवीन इस अवसर पर उज्जैन के राम घाट पर 'आशीर्वाद का दीया' जलाकर कार्यक्रमों की शुरुआत करेंगे। नितिन नवीन सुबह भाजपा मुख्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन भी करेंगे।

पंजाब के पूर्व डीआईजी भुल्लर के कथित बिचौलिए कृष्णु शारदा से ईडी करेगा पूछताछ

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के पूर्व डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर से जुड़े रिश्वत मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब कथित बिचौलिए कृष्णु शारदा से पूछताछ करेगा। ईडी ने इस बावत अनुमति के लिए विशेष पीएमएलए अदालत में आवेदन दायर किया। अदालत ने शारदा को 18 सितंबर को शारीरिक रूप से पेश होने के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी करने का निर्देश दिया है।

शारदा फिलहाल मॉडल जेल, बुड़ैल, चंडीगढ़ में न्यायिक हिरासत में है। अदालत ने जेल अधीक्षक को निर्धारित तारीख पर उसे अदालत में पेश करने के निर्देश दिए हैं। यह मामला पूर्व डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर के खिलाफ दर्ज रिश्वत मामले से जुड़ा है। सीबीआई के अनुसार भुल्लर जब रोपड़ रेंज के डीआईजी के पद पर तैनात थे, तब शिकायतकर्ता आकाश बट्टा ने आरोप लगाया था कि उसके खिलाफ सरहिंद थाने में दर्ज

एफआईआर में अनुकूल कार्रवाई और उसके कारोबार के खिलाफ कोई कठोर कदम न उठाने के लिए कथित तौर पर रिश्वत की मांग की गई थी। आरोप है कि यह रकम कथित तौर पर कृष्णु शारदा के माध्यम से मांगी गई थी। सीबीआई के रिकॉर्ड के अनुसार 16 अक्टूबर, 2025 को चंडीगढ़ में शारदा को कथित तौर पर 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा गया था। जांच एजेंसी का आरोप है कि यह रकम मांगी गई रिश्वत की एक किस्त थी। मामले में भुल्लर और शारदा दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों में कार्रवाई हुई है। जुलाई, 2026 में विशेष सीबीआई अदालत ने भुल्लर और शारदा के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय किए थे। दोनों आरोपितों ने आरोपों से संबंधित अपनी कानूनी स्थिति अदालत के समक्ष रखी है। ईडी ने अप्रैल, 2026 में पंजाब और चंडीगढ़ में भुल्लर तथा उनसे जुड़े लोगों के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई कथित रिश्वतखोरी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच का हिस्सा थी।

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। दोनों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की विकास यात्रा और 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में हो रही प्रगति का उल्लेख किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी संदेश में प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा में गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री के रूप में उनका योगदान शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सुशासन के नए मानक स्थापित किए हैं और समावेशी विकास को नई गति और दिशा दी है। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विकास के बीच सामंजस्य का भी उल्लेख किया।

वहीं, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपने संदेश में प्रधानमंत्री को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके दृढ़ और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विश्व में एक उज्ज्वल केंद्र के रूप में उभर रहा है और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से बढ़ने वाले देशों में शामिल है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी उपराष्ट्रपति ने कहा कि 25 करोड़ से अधिक भारतीय अत्यंत गरीबी से बाहर आए हैं। डिजिटल क्रांति ने लाखों लोगों को सशक्त किया है तथा अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे और विनिर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

उन्होंने कहा कि पिछड़े जिलों को 'आकांक्षी जिले', सीमावर्ती गांवों को 'जीवंत और प्रथम गांव' तथा पूर्वोत्तर को 'अष्टलक्ष्मी' के रूप में संदर्भित करना प्रधानमंत्री के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाता है। इससे भौगोलिक रूप से हाशिए पर रहे क्षेत्रों को सशक्त बनाने और देश की विकास यात्रा में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा मिला है।

राधाकृष्णन ने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की अपनी यात्राओं में उन्होंने इन बदलावों को देश के दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचते हुए प्रत्यक्ष रूप से देखा। उन्होंने कहा कि देशभर में प्रगति, आकांक्षा और नए उत्साह की भावना सामूहिक विकास यात्रा में लोगों के विश्वास को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वकर्मा जयंती पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने निर्माण कार्यों में जुटे देशभर के शिल्पकारों और हुनरमंद लोगों का विशेष अभिनंदन करते हुए कहा कि उनका कौशल और परिश्रम विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा से जुड़े इस दिव्य अवसर पर निर्माण कार्यों में जुटे देशभर के शिल्पकारों एवं हुनरमंद साथियों को उनका विशेष अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि शिल्पकारों का कौशल और परिश्रम देश के विकास तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के नवनिर्माण की दिशा में शिल्पकारों और हुनरमंद साथियों के प्रयासों को हरसंभव प्रोत्साहन मिलता रहे, इसके लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के साथ भगवान विश्वकर्मा की महिमा का वर्णन करने वाला सुभाषित भी साझा किया - 'अनादिरप्रमेयश्च अरूपश्च जयाजयः।

लोकरूपो जगन्नाथः विश्वकर्मन्नमो नमः॥

इस सुभाषित का अर्थ है कि भगवान विश्वकर्मा आदि-अनादि, असीम और अप्रमेय हैं।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर रक्षा मंत्री-सीएम योगी ने काशी विश्वनाथ मंदिर में की पूजा

दीर्घायु की कामना की

एजेंसी

वाराणसी । काशी के सांसद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा विश्वनाथ का विशेष अनुष्ठान व दर्शन-पूजन किया। सभी ने मंदिर में जलाभिषेक व आरती कर बाबा के चरणों में श्रद्धा निवेदित की। नेताओं ने प्रधानमंत्री के यशस्वी सुदीर्घ जीवन के साथ ही देश-प्रदेश की खुशहाली की भी कामना की। प्रधानमंत्री के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन कर काशी के पुरोहितों और आचार्यों का सम्मान किया। वाराणसी से वडनगर तक सेवा संकल्प यात्रा से जुड़े बाइकर्स के साथ संवाद तथा काशी विश्वनाथ धाम में अपनी सेवाएं दे रहे स्वच्छता प्रहरियों को सम्मानित भी किया। इसके बाद सभी ने मंदिर परिसर में ही श्रद्धालुओं को मिष्ठान वितरण किया। इसके लिए 19-19 किलो के चार लड्डू (76 किलो) तैयार किए गए थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का

जन्मदिन है। इस अवसर पर सभी ने काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। सभी ने ईश्वर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु और आजीवन स्वस्थ रहने की प्रार्थना के साथ ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचाने की कामना की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री व काशी के लोकप्रिय सांसद नरेंद्र मोदी के पावन जन्मदिन पर रक्षा मंत्री, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री व भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष समेत वरिष्ठ नेताओं ने बाबा विश्वनाथ के पावन धाम में विशेष पूजा-अनुष्ठान संपन्न किया है। बाबा विश्वनाथ से प्रधानमंत्री के स्वस्थ व सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना की गई। वह लंबे समय तक भारत का नेतृत्व करें, जिससे देशवासी उनके नेतृत्व में आत्मनिर्भर, सुरक्षित व विकसित भारत की संकल्पना देख सकें और उनके यशस्वी नेतृत्व में भारत दुनिया की नंबर-1 अर्थव्यवस्था की तरफ से तेजी से आगे बढ़े। कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, खजुराहो के सांसद विष्णुदत्त शर्मा, उत्तर प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर, विधायक नीलकंठ तिवारी आदि भी मौजूद रहे।

फैक्ट चेक: ब्रिक्स सम्मेलन के बाद विश्व नेताओं के बीमार होने का दावा फर्जी

विदेश मंत्रालय ने किया अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । विदेश मंत्रालय (एमईए) की फैक्ट चेक टीम ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे कई भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण पोस्टों को लेकर लोगों को सावधान किया। इन पोस्टों में दावा किया जा रहा था कि भारत में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद कई विश्व नेता बीमार पड़ गए हैं। एमईए फैक्ट चेक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भ्रामक! लोगों को सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे ऐसे दुर्भावनापूर्ण पोस्टों से सावधान रहना चाहिए।' एमईए फैक्ट चेक ने 'फर्स्ट स्क्वाक' नामक अकाउंट की एक पोस्ट भी साझा की। उस पोस्ट में दावा किया गया था, 'बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा सहित कई विश्व नेता भारत में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद कथित रूप से बीमार पड़ गए हैं। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बारे में रिपोर्टों की पुष्टि नहीं हुई है। ' फैक्ट चेक टीम ने 'अनयूजुअल व्हेल्स' की एक पोस्ट भी साझा की, जिसमें कहा गया था, 'ताजा जानकारीः दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा समेत कई विश्व नेता, और कथित रूप से चीन के शी जिनपिंग भी, ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के बाद बीमार पड़ गए हैं, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। 'एमईए फैक्ट चेक ने 'रॉ एग नेशनलिस्ट' नामक अकाउंट की एक पोस्ट भी साझा की। इस पोस्ट में एक वीडियो के साथ लिखा गया था, 'विशेषः मैं अब ब्रिक्स सम्मेलन के लिए तैयार किए गए भोजन का पहला वीडियो दिखा सकता हूं, जिसने कथित तौर पर शी जिनपिंग और सिरिल रामाफोसा को बीमार कर दिया। ' फैक्ट चेक टीम ने 'डक्का-डक्का' नाम के एक यूजर की पोस्ट का भी उल्लेख किया।

इस पोस्ट में आरोप लगाया गया था कि दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित कुछ नेताओं को भारत में आयोजित ब्रिक्स कार्यक्रम के दौरान फूड पॉइजनिंग हो गई थी। एमईए फैक्ट चेक ने इस दावे को भ्रामक बताया।

इसके अलावा, 'ब्रिक्स न्यूज' नामक 'एक्स' अकाउंट की एक पोस्ट भी साझा की गई, जिसमें दावा किया गया था, 'दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा भारत में ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के बाद बीमार हो गए। '

एमईए फैक्ट चेक ने इस दावे को भी भ्रामक करार दिया। फैक्ट चेक टीम ने 'इमैनुएल किमुताई मोटेलिन' की एक पोस्ट का भी जिक्र किया, जिसमें कहा गया था, 'भारत में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के बाद कई विश्व नेता कथित रूप से बीमार पड़ गए हैं।' इस दावे को भी एमईए फैक्ट चेक ने भ्रामक बताया।

इसके अलावा 'मैव्रिक' नाम के एक यूजर की पोस्ट भी साझा की गई, जिसमें भारत से लौटे दो विश्व नेताओं की खराब सेहत को लेकर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की गई थी। एमईए फैक्ट चेक ने संकेत दिया कि इस तरह की टिप्पणियां भी भ्रामक जानकारी फैलाने वाली पोस्टों का हिस्सा हैं।

नेपाल आपदा में लापता लोगों के परिवारों की मदद के लिए बंगाल सरकार ने उठाए कदम

एजेंसी

कोलकाता। नेपाल में आई आपदा के बाद पश्चिम बंगाल के 37 लोग लापता हैं। कई परिवारों के एकमात्र कमाने वाले सदस्य का अब तक पता नहीं चल पाया है। अपनों के लापता होने के साथ ही इन परिवारों के सामने आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है। राज्य सरकार ने ऐसे परिवारों की मदद के लिए कई कदम उठाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उत्तर बंगाल के एक परिवार को अपना एक महीने का वेतन देने का निर्णय लिया है। वहीं, जिन परिवारों के एकमात्र कमाने वाले सदस्य लापता हैं, उनके परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने के विषय पर भी विचार किया जा रहा है। समयऔर कैलेंडर

राज्य सचिवालय नवान्न में लापता लोगों के परिवारों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी और लापता लोगों के परिवारों के सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने उत्तर बंगाल के एक परिवार को एक महीने का वेतन देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा चार ऐसे परिवारों की पहचान की गई है, जिनके एकमात्र कमाने वाले सदस्य लापता हैं। इन परिवारों के एक सदस्य को नौकरी देने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चार परिवारों की देखरेख के लिए एक अधिकारी को जिम्मेदारी देने का भी निर्णय लिया गया है। किसी तरह की समस्या होने पर परिवार संबंधित अधिकारी से संपर्क कर सकेंगे। लापता लोगों के परिवारों ने बताया कि परिवार के सदस्य के लापता होने के कारण उन्हें बैंक संबंधी काम करने में परेशानी हो रही है। गैस बुकिंग और पेंशन निकालने जैसी प्रक्रियाएं भी प्रभावित हुई हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इन समस्याओं का जल्द समाधान करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि नियम के अनुसार डीएनए नमूने भेजे गए हैं, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। इसके बाद लापता लोगों के परिवारों ने एक निश्चित अवधि के बाद उन्हें मृत घोषित करने की मांग की है। हालांकि, राज्य के अधिकारियों का कहना है कि राज्य सरकार अपने स्तर पर ऐसा निर्णय नहीं ले सकती। यह मामला केंद्र और नेपाल सरकार से संबंधित है। राज्य सरकार केंद्र के संपर्क में है और वहां से मिलने वाले निर्देश के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसान कल्याण वर्ष में अन्नदाताओं को मिल रहीं नई सौगातें

सागर सहित पूरे बुंदेलखंड के विकास को नई गति देने में जुटी सरकार : मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मना रही है। इसके तहत किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, आधुनिक कृषि यंत्र, ड्रोन तकनीक, सिंचाई सुविधाओं सहित कृषि विकास से जुड़ी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि खेती को लाभ का माध्यम बनाने के साथ किसान आय के अन्य स्रोतों को भी मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर सागर जिले के किसानों से वर्चुअली जुड़कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव किसान कल्याण वर्ष के तहत भगवान बलराम और अन्नदाताओं को समर्पित है। सागर में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों की बेहतरी के लिए सरकार कई महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड के लिए केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बड़ी सौगात है। करीब एक लाख करोड़ रुपये की इस योजना से सागर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़ और छतरपुर सहित पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं बनेंगी। किसानों के हर खेत तक पानी पहुंचाने की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई देते हुए बुंदेलखंडवासियों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सागर और बुंदेलखंड क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार काम कर रही है। क्षेत्र में धान, गेहूं और ज्वार के साथ नकदी फसलों का उत्पादन भी हो रहा है। कृषि उत्पादन के साथ फूड प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना से किसानों को अपनी उपज के बेहतर मूल्य के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। अब किसानों को वर्ष में एक बार ही ऋण चुकाना होगा। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक ऋण चुकाने से जुड़ी परेशानी को समाप्त किया गया है। सरकार किसानों के लिए करीब 800 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि आगामी फसल सीजन में किसानों को दिन के समय 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। किसानों की सिंचाई संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बिजली व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खाद को लेकर ई-टोकन की व्यवस्था की जा रही है, जिससे किसानों को खाद लेने के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए भी सरकार प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक को अपनाने से खेती में लगातार उन्नति हो रही है। किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों और ड्रोन तकनीक से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से उद्यानिकी और फल उत्पादन को भी अपनाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती के साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मछली पालन, बकरी पालन और मुर्गी पालन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। गांव-गांव में सहकारी समितियां बनाकर किसान अपना दूध सांची को उपलब्ध करा सकते हैं। इससे उन्हें दूध का उचित मूल्य मिलने के साथ वार्षिक बोनस का लाभ भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के माध्यम से प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश वर्तमान में दुग्ध उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है। और आने वाले समय में प्रदेश को पहले स्थान पर लाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है।

प्रतिभा को अवसर देना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री श्री परमार

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि गरीब और सामान्य परिवार के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सपनों के बीच आर्थिक परिस्थितियां बाधा नहीं बनें, यही 'प्रतिभा मंदिर प्रकल्प' का मूल उद्देश्य है। सरकार का प्रयास है कि विद्यार्थियों को अपने ही जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध हो। मंत्री श्री परमार गुरुवार को शाजापुर जिले के गौलाना स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर शासकीय सांदीपनि विद्यालय में 'प्रतिभा मंदिर प्रकल्प' के शुभारंभ एवं प्रतिभा खोज परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने चयनित 1 हजार 751 विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि अच्छे विद्यालयों में पढ़ने का अवसर हर बच्चे का अधिकार है। उन्होंने कहा कि एक गरीब पिता की उस पीड़ा ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया, जब उसकी बेटी ने शहर के बड़े और अच्छे विद्यालय को देखकर वहां पढ़ने की इच्छा व्यक्त की, लेकिन आर्थिक स्थिति के कारण पिता अपनी बेटी का सपना पूरा नहीं कर सका। इसी पीड़ा को समझते हुए।

नमो युवा शक्ति कार्यक्रम में युवाओं और महिलाओं ने उत्साह से लिया हिस्सा

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

युवाओं में उत्साह, नेतृत्व क्षमता, खेल भावना एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को बरखेड़ी कला, भोपाल में जिला स्तरीय नमो युवा शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत भोपाल की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती इला तिवारी ने की। कार्यक्रम में जिला पंचायत की अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती वंदना शर्मा, जिला पंचायत भोपाल के उपाध्यक्ष श्री मोहन सिंह जाट, सदस्य श्रीमती चन्द्रेश सिंह राजपूत, जनपद पंचायत फंदा के अध्यक्ष श्री प्रमोद सिंह राजपूत, जिला परियोजना प्रबंधक मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन भोपाल डॉ. रेखा पाण्डेय सहित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, नवाचार एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। वक्ताओं ने युवाओं से अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करते हुए समाज एवं देश के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं एवं महिलाओं को योग के महत्व की जानकारी दी गई तथा योगाभ्यास भी कराया गया। प्रतिभागियों के लिए पौष्टिक अल्पाहार की स्टॉल भी लगाई गई। इसके अलावा नींबू रेस सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

विभिन्न गतिविधियों, संवाद सत्रों एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को उपलब्ध अवसरों तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। उपस्थित अतिथियों ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने और उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं युवाओं ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

जनविश्वास से बढ़ा विश्वास

खुशबू की एक छोटी-सी पहल बनी पूरे गांव की उम्मीद, प्रशासन की पहल से कुराना में शुरू हुई लाइब्रेरी

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

जन समस्याओं के त्वरित निराकरण के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा एवं बेहतर भविष्य के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की एक प्रेरणादायी मिसाल जनपद पंचायत, फंदा के ग्राम कुराना में देखने को मिली। विगत दिनों ग्राम मुंगालिया हाट में आयोजित जन विश्वास शिविर में ग्राम कुराना की बालिका खुशबू अहिरवार ने अधिकारियों के समक्ष प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने हेतु पर्याप्त संसाधन उपलब्ध न होने एवं गांव में कोई भी लाइब्रेरी नहीं होने की समस्या से अवगत कराया था। खुशबू ने बताया कि उनके घर में पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण उसे पढ़ाई करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। गांव में कोई भी ऐसा स्थान नही था जहां एकाग्रता से अध्ययन कार्य किया जा सके। बालिका की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने ग्राम कुराना में लाइब्रेरी प्रारंभ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत की टीम ने इस पहल को साकार करते हुए ग्राम कुराना में लाइब्रेरी का संचालन प्रारंभ कराया। लायब्रेरी के शुभारंभ कार्यक्रम पर विधायक श्री विष्णु खत्री की उपस्थिति में बालिका खुशबु अहिरवार ने फीता काटकार लायब्रेरी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी, हुजूर श्री विनोद सोनकिया, सीईओ, जनपद पंचायत, फंदा श्रीमती शिवानी मिश्रा, अरिहंत पब्लिकेशन के बिजनेस मैनेजर श्री शशिकांत सागरे सहित ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव व ग्रामीणजन उपस्थित रहे। लाइब्रेरी में विद्यार्थियों के लिए अध्ययन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सीईओ, जिला पंचायत के आग्रह पर अरिहंत पब्लिकेशन द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी एवं आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही लाइब्रेरी को समृद्ध बनाने में एस.डी.एम. महोदय एवं ग्रामीणों द्वारा भी सहयोग प्रदान किया।

जनता को त्वरित राहत और अधीनस्थों को बेहतर मार्गदर्शन देना प्रभावी पुलिस नेतृत्व की पहचान : डीजीपी कैलाश मकवाणा

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा से हाल ही में प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके 10 सहायक पुलिस अधीक्षक (आईपीएस) अधिकारियों ने आज पुलिस मुख्यालय भोपाल में सौजन्य भेंट की। इस दौरान डीजीपी श्री मकवाणा ने अधिकारियों से पुलिस नेतृत्व, पर्यवेक्षण एवं मैदानी कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद किया तथा उन्हें पुलिस सेवा में प्रभावी नेतृत्व के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। डीजीपी श्री मकवाणा ने अधिकारियों से कहा कि एसडीओपी पहला पर्यवेक्षण अधिकारी होता है, इसलिए पुलिस व्यवस्था को प्रभावी बनाने में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। जनता की शिकायत का समाधान पुलिसिंग की प्राथमिक जिम्मेदारियों में से एक है। पीड़ित की शिकायत को पहले चरण में ही समझकर उसके निराकरण का प्रयास किया जाए, ताकि उन्हें त्वरित राहत मिल सके। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि पुलिस नेतृत्व में ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ प्रभावी पर्यवेक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। अधिकारी अपने अधीनस्थों के कार्यों की नियमित समीक्षा करें, उनकी समस्याओं को समझें और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एक अच्छे अधिकारी की जिम्मेदारी केवल कार्यों की निगरानी तक सीमित नहीं होती, बल्कि अधीनस्थों का मार्गदर्शन करना और उन्हें आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना भी नेतृत्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने थानों के निरीक्षण के संबंध में कहा कि निरीक्षण के दौरान पुलिस कार्यप्रणाली की ।

'एक बगिया माँ के नाम' योजना से सपनों को मिली नई उड़ान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिला-नेतृत्व विकास के संकल्प से कालीबाई की बगिया बनी आत्मनिर्भरता का आधार

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत, महिला-नेतृत्व विकास, जल-संरक्षण और सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संकल्प से देश के दूरस्थ ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। इस बदलाव की प्रेरक तस्वीर भोपाल जिले की जनजातीय बहुल ग्राम पंचायत भानपुर केकड़िया में देखने को मिली है, जहाँ स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती कालीबाई ने अपनी मेहनत और शासन की योजनाओं के सहयोग से आत्मनिर्भरता की नई राह चुनी है। 'एक बगिया माँ के नाम' योजना के अंतर्गत कालीबाई ने अपनी एक एकड़ भूमि पर ड्रैगन फरूट के 100 पौधों की बगिया तैयार की है। कभी सीमित संसाधनों के कारण अपने सपने को विस्तार नहीं दे पाने वाली कालीबाई आज आधुनिक बागवानी अपनाकर परिवार के लिए स्थायी आय का आधार तैयार कर रही हैं। उनकी बगिया प्रधानमंत्री श्री मोदी के उस संकल्प को साकार करती दिखाई देती है, जिसमें महिलाओं को केवल योजनाओं की हितग्राही नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सक्रिय नेतृत्वकर्ता बनाने पर बल दिया गया है। कालीबाई ने शुरुआत में प्रयोग के तौर पर ड्रैगन फरूट के केवल दो पौधे लगाए थे। इन पौधों से अच्छा उत्पादन मिलने पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने बड़े स्तर पर बागवानी करने का निर्णय लिया। बाजार में ड्रैगन फरूट की बढ़ती मांग ने उनके संकल्प को और मजबूत किया। अब उन्होंने 100 पौधों की व्यवस्थित बगिया तैयार की है। ड्रैगन फरूट से आमदनी शुरू होने तक आय का क्रम बना रहे, इसके लिए वे फूलों और अन्य फलों की मिश्रित खेती भी कर रही हैं। इस प्रकार उन्होंने बागवानी को केवल एक फसल तक सीमित न रखते हुए आजीविका के विविध और टिकाऊ माध्यम के रूप में विकसित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जल-संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने और कृषि के लिए स्थायी जल स्रोत विकसित करने के आह्वान ने कालीबाई की पहल को मजबूत आधार दिया है। ग्रामीण विकास विभाग और मनरेगा के अंतर्गत उन्हें खेत-तालाब निर्माण के लिए 4 लाख 50 हजार रुपये की स्वीकृति मिली। इस खेत-तालाब से उनकी बगिया एवं अन्य फसलों के लिए वर्षभर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। 'एक बगिया माँ के नाम' योजना के अंतर्गत पौधरोपण, फेंसिंग और अन्य कृषि कार्यों के लिए

लोक भवन में आयोजित शिविर में 370 लोगों ने लिया भाग

राज्यपाल पटेल ने रक्तदान स्वास्थ्य शिविर का लोकभवन में किया शुभारंभ

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा संकल्प अभियान के तहत लोकभवन में आयोजित स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। शिविर के विभिन्न काउन्टरों पर जाकर परामर्श जाँच एवं परीक्षण व्यवस्थाओं की समीक्षा की। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अपनी बोन मिनरल डेनसिटी (बी.एम.डी.) जांच कराकर शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दंत परीक्षण, फिजियोथेरेपी जाँच, बोन मिनरल डेनसिटी (बी.एम.डी.) जांच एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं औषधि वितरण व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने रक्तदाताओं को फलो की टोकरी भेंट कर, उनके सेवा संकल्प की सराहना की। रक्तदान करने आए छात्र-छात्राओं से चर्चा की। उनका उत्साहवर्धन किया। राज्यपाल ने प्रारंभ में लोक भवन में आयोजित निःशुल्क परामर्श, जाँच और रक्तदान शिविर का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन गुरुवार को सुबह 10 बजे से एक बजे तक लोक भवन के सांदीपनि सभागार में किया गया था। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी उपस्थित थे। शिविर में रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन श्री श्याम सिंह कुमरे एवं जनरल सेक्रेटरी श्री रामेंद्र सिंह सहित चिकित्सक, विशेषज्ञ एवं अन्य संबंधित जन उपस्थित रहे। लोक भवन में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 370 आमजन शामिल हुए। रक्तदान के लिए 109 रक्तदाताओं ने पंजीयन कराया, जिनमें चिकित्सकीय परामर्श के बाद 77 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। दंत परीक्षण शिविर में 74 व्यक्तियों ने जांच कराई। उन्हें उपचार संबंधी परामर्श और आवश्यक औषधियां प्रदान की गई। बी.एम.डी. जाँच शिविर 125 आमजन ने जांच कराई। जांच में 77 आमजन की हड्डियों की स्थिति सामान्य पाई गई।

अब ग्रामीण नागरिकों को भी मिलेगा संपत्ति का सुदृढ़ दस्तावेजी अधिकार

जिले की सेहतगंज ग्राम पंचायत से ''स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026'' का शुभारंभ

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत रायसेन जिले की ग्राम पंचायत सेहतगंज में सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, मध्य प्रदेश शासन के गृह विभाग की सचिव और तथा अभियान की जिला प्रभार अधिकारी श्रीमती शिल्पा गुप्ता, भोपाल संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा तथा कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा की उपस्थिति में ''स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026'' का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विधायक डॉ. चौधरी ने ग्रामीणों से कहा कि स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी भूमि में अधिकार अभिलेख तैयार किए गए हैं। आज से शुरू हुए अभियान में स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश में लगभग 50 लाख निजी संपत्तियों के अधिकार अभिलेखों का निःशुल्क पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के लिए नागरिकों से स्टाम्प ड्यूटी अथवा पंजीयन शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसकी संपूर्ण राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत हितग्राहियों की संपत्ति के आधार पर सुगमता से ऋण उपलब्ध कराने के लिए निर्मित निजी अधिकार अभिलेखों का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के बाद नागरिक गृह निर्माण, व्यवसाय, कृषि एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए ऋण प्राप्त कर सकेंगे। इससे उनकी आजीविका एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वामित्व योजना के अंतर्गत तैयार अधिकार अभिलेखों के निःशुल्क पंजीयन का निर्णय लेने वाला मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य है। राज्य सरकार की यह पहल ग्रामीण नागरिकों को संपत्ति का सुदृढ़ दस्तावेजी अधिकार देने के साथ वित्तीय समावेशन, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होगी। इसका लाभ आगामी वर्षों में लाखों हितग्राहियों को प्राप्त होगा। भोपाल संभागायुक्त श्री शर्मा ने ग्रामीणों से संवाद के दौरान कहा कि रायसेन जिले में सेहतगंज से स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 का शुभारंभ हुआ है। इसमें प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए ग्राम एवं पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें आवेदन के लिए हितग्राही के आबादी भूखंड की लैंड लिंकिंग तथा आवेदक की समग्र आईडी से ई-केवाईसी अनिवार्य होगी। आवेदन प्रक्रिया 'सारा' मोबाइल एप के माध्यम से संचालित होगी। 'संपदा' एप पर पंजीयन अधिकारी द्वारा विलेख (रजिस्ट्री) का पंजीयन किया जाएगा। संबंधित प्रक्रिया में भूलेख एप/पोर्टल के माध्यम से भूमि स्वामी की आधार ई-केवाईसी एवं लैंड लिंकिंग की कार्यवाही की जाएगी।साथ ही 'सारा' एप पर निष्पादन और 'संपदा' एप पर पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। ग्रामीणों को जानकारी दी गई कि योजना के क्रियान्वयन के लिए शासन द्वारा पटवारी को निष्पादन अधिकारी तथा तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पीसीओ एवं एडीईओ को पंजीयन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इससे पंजीयन प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर ही पूरी की जा सकेगी। पंजीयन पूर्ण होने के बाद पंजीयन विलेख हितग्राही के मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। जिला स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित मॉनिटरिंग एवं मैदानी समीक्षा की जाएगी, जिससे अभियान निर्धारित समय-सीमा में पूरा हो सके। इस अभियान को एक माह में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

हलवा जाएंगे भूलज्मूंगदाल की क्रीमी खीर बनाएं, मुंह में घुल जाएगा स्वाद

चावल की खीर तो पारंपरिक रूप से घरो में बनती ही है, तो वहीं मूंग दाल का हलवा खूब पसंद किया जाता, लेकिन क्या आपने इस दाल की खीर खाई है जो स्वाद में कमाल और क्रीमी होती है. चलिए देख लेते हैं रेसिपी.

मूंग दाल ज्यादातर लोग तब बनाकर खाते हैं जब उन्हें अपने पेट को रिलैक्स देना हो, लेकिन डेजर्ट्स और मिठाइयों के लिए भी ये दाल एक दम परफेक्ट रहती है. आपने इस दाल का हलवा तो कई बार बनाया होगा, लेकिन एक बार आप उसकी खीर बनाकर ट्राई करें. खास मौके पर आप जब इसे सर्व करेंगे तो हर कोई आपकी तारीफ करता नजर आएगा. इस वक्त गणेश उत्सव चल रहा है. आप चाहे तो इस दौरान भी ये मूंग दाल की खीर बना सकते हैं. इस आर्टिकल में पूरी स्टेप बाय स्टेप रेसिपी दी गई है.

मूंग दाल की ये रेसिपी भूपी किचन से शेयर की गई है, जिसे शेफ भूपेंद्र सिंह रावत चलाते हैं. वो एक प्रोफेशनल शेफ होने के साथ ही सोशल मीडिया पर भी एक से बढ़कर पारंपरिक और यूनिक स्वाद वाली रेसिपीज शेयर करते रहते हैं. आज उनके स्वाद के खजाने में से उन्होंने मूंग दाल की खीर बनाने का तरीका साझा किया है.

खीर के इनग्रेडिएंट्स करें नोट

आधा कप मूंग दाल (बिना छिलके वाली)
2 चम्मच देसी घी (दाल भूनने के लिए)
1 लीटर फुल फैट दूध
8-10 केसर के धागे
50 ग्राम मिल्क मेड
देसी खांड (स्वाद के मुताबिक मिठास के लिए)
10-12 बादाम (काट लें या दरदरा कूट लें)
10-12 काजू (छोटे टुकड़ों में काट लें)

कैसे बनाएं मूंग दाल की खीर?

अगर आपको खीर बनानी हो तो मूंग दाल को भिगोना जरूरी होता है, इसलिए इसे बीनकर दो पानी से धोने के बाद कुछ घंटे भिगोकर रख दें.

दाल को पानी से निकालकर अच्छी तरह से छान लें ताकि पानी पूरी तरह से अलग हो जाए.

अब एक पैन में दो चम्मच देसी घी को गर्म करें. इसके बाद दाल को इसमें डालकर अच्छी तरह से भूनें, जब तक कि खुशबू न आने लगे.

दाल जब भुन जाए तो इसमें दूध एड कर दें और हल्की आंच पर बीच-बीच में कलछी से चलाते हुए पकाते रहें. इसी दौरान केसर के धागे भी एड कर दें.

जब दाल गल जाए तो इसमें मिल्क मेड एड करें. ये खीर को एक क्रीमी टच देगा और मिठास भी एड करेगा.

अब एक मोटी तली का पैन गर्म करें और देसी खांड डालकर हल्की आंच पर कैरेमलाइज कर लें. इससे खीर को रिच टेस्ट मिलता है.कैरेमलाइज खांड को उबलती हुई खीर में डालें और कलछी से चला दें. इसमें एक बढ़िया गाढ़ापन आ जाना चाहिए.

सबसे लास्ट में खीर में बादाम-काजू डालें और मिक्स करें. इस तरह से स्वादिष्ट दाल वाली खीर बनाकर तैयार हो जाएगी.

फ्री यूपीआई के दावे के बीच ठगा रह गया आम आदमी

भारत की अर्थव्यवस्था को कैशलेस बनाने और %डिजिटल इंडिया% के सुनहरे सपने दिखाने वाली सरकार ने आखिरकार 15 अक्टूबर से लागू होने वाले नए मर्चेंट डिस्काउंट रेट फ्रेमवर्क के जरिए देश की जनता के भरोसे पर करारा प्रहार किया है। लंबे समय से यह ढोल पीटा जा रहा था कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस पूरी तरह मुफ्त है, सुरक्षित है और यह देश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की ताकत है। लेकिन सरकार और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का यह नया फैसला इस दावे की हवा निकालने के लिए काफी है। जनता आज ठगा हुआ महसूस कर रही है, क्योंकि जिस डिजिटल व्यवस्था की आदत उन्हें डालकर कैशलेस होने के फायदे गिनाए गए थे, अब उसी व्यवस्था के पीछे छिपे टैक्स और चार्जेस के कड़वे सच को सामने लाया जा रहा है। सरकार चाहे जितने भी दावे करे कि यह चार्ज आम ग्राहकों को नहीं बल्कि बड़े व्यापारियों को देना होगा, लेकिन आर्थिक मोर्चे की व्यावहारिक समझ रखने वाला कोई भी आम नागरिक यह बखूबी जानता है कि अंततः किसी भी टैक्स या फीस का बोझ घूम-फिरकर उपभोक्ता की जेब पर ही आकर गिरता है। यह नया ढांचा सीधे तौर पर देश के उस मध्यमवर्ग और नौकरीपेशा समाज के साथ विश्वासघात है, जिसने सरकार के कहने पर अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई को पूरी तरह डिजिटल माध्यमों के सुपुर्द कर दिया था।

इस नए फ्रेमवर्क के तहत ?2,000 से अधिक के ट्रांजैक्शन पर 0.4त्न का स्छ्रक्रलगाने का फैसला किया गया है। सरकारी नीति निर्माताओं ने बड़े ही शातिर तरीके से यह आंकड़ा तैयार किया है ताकि पहली नजर में यह जनता को प्रभावित न करे। यह दलील दी जा रही है कि देश के 96 फीसदी मर्चेंट ट्रांजैक्शंस ?2,000 से कम के होते हैं, इसलिए आम जनता सुरक्षित है। लेकिन यह पूरी तरह से एक सांख्यिकीय भ्रम है जो जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। आज के इस महंगाई के दौर में ?2,000 की रकम क्या अहमियत रखती है? एक मध्यमवर्गीय परिवार जब महीने का राशन खरीदने किसी सुपरमार्केट या किराना दुकान पर जाता है, तो उसका बिल आसानी से ?3,000 से ?5,000 के पार चला जाता है। बच्चों की स्कूल की फीस, कोचिंग संस्थान के खर्च, बिजली और पानी के बड़े बिल, अस्पताल का खर्च, दवाइयां, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की खरीदारी, या किसी शादी-ब्याह के कपड़े खरीदना—ये सभी रोजमर्रा के ऐसे काम हैं जहां ट्रांजैक्शन की रकम ?2,000 की इस कृत्रिम सीमा को पलक झपकते ही पार कर जाती है। ऐसे में यह कहना कि आम जनता इससे प्रभावित नहीं होगी, देश की बहुसंख्यक आबादी के जीवन स्तर और उनकी जरूरतों का क्रूर मजाक उड़ाने जैसा है।जनता के बीच इस कानून को लेकर जो सबसे बड़ा आक्रोश है, वह इस बात को लेकर है कि मर्चेंट्स पर लगाया गया यह चार्ज अंततः उन्हीं से वसूला जाएगा। कोई भी व्यापारी, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, अपनी जेब से 0.4त्न का घाटा नहीं सहेगा। बाजार का सीधा और शाश्वत नियम है कि जब भी किसी व्यवसाय की लागत बढ़ती है, तो वह उस लागत को अपने उत्पाद या सेवा की कीमत में जोड़ देता है। व्यापारी सीधे तौर पर भले ही यूपीआई पेमेंट करने पर आपसे अतिरिक्त पैसे न मांगें, लेकिन वे अपने सामानों के दाम में चुपके से 1 से 2 फीसदी की बढ़ोतरी कर देंगे ताकि उनका प्रॉफिट मार्जिन सुरक्षित रहे। इसका परिणाम यह होगा कि जो व्यक्ति नकद भुगतान करेगा, वह भी बिना वजह इस महंगाई की चपेट में आएगा और जो यूपीआई का इस्तेमाल करेगा, वह तो ठगा जाएगा ही। सरकार ने इस चालाकी से अपने राजस्व को बढ़ाने का रास्ता तो साफ कर लिया, लेकिन इसका सीधा खामियाजा उस जनता को भुगतना पड़ेगा जो पहले से ही बेकाबू महंगाई, बेरोजगारी और घटती क्रय शक्ति से जूझ रही है।

इस कानून के पीछे छुपा एक और बड़ा खतरा देश की बैंकिंग और डिजिटल साक्षरता के लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट करना है। भारत जैसे विकासशील देश में लोगों को नकद छोड़कर डिजिटल ट्रांजैक्शन की ओर मोड़ना एक बहुत बड़ी सामाजिक और व्यावहारिक चुनौती थी। लोगों को बैंकों की लाइनों से बचाने और पारदर्शिता लाने के नाम पर सरकार ने खुद हर मंच से यूपीआई का प्रचार किया। रेहड़ी-पटरी वालों से लेकर बड़े-बड़े मॉल तक क्यूआर कोड चिपकाए गए। जनता ने भी सरकार पर भरोसा किया और अपनी सदियों पुरानी नकद लेन-देन की आदत को बदलकर जेब में बटुआ रखना बंद कर दिया। लेकिन अब, जब जनता पूरी तरह इस सिस्टम पर निर्भर हो चुकी है, तब सरकार ने अपनी असली नीयत दिखाते हुए इस पर शुल्क थोपना शुरू कर दिया है। यह नीति बिल्कुल वैसी ही है जैसी कोई निजी टेलीकॉम कंपनी पहले मुफ्त में सेवाएं देकर ग्राहकों को अपना आदी बनाती है और बाद में मनमाने दाम वसूलने लगती है। एक लोकतांत्रिक सरकार से जनहित की नीतियों की उम्मीद की जाती है, न कि किसी मुनाफाखोर कॉर्पोरेट घराने जैसी चालाकी की।इस फैसले के लागू होने से बाजार में एक बार फिर से कैश इकोनॉमी यानी नकद लेन-देन का चलन तेजी से बढ़ेगा, जो देश की आर्थिक प्रगति के लिए एक प्रतिगामी कदम होगा। जनता के मन में यह डर बैठ गया है कि आज ?2,000 पर 0.4त्न का चार्ज लगा है, तो कल को सरकार इसे बढ़ाकर 1त्न कर देगी और सीमा को घटाकर ?500 कर देगी। इस अविश्वास के कारण लोग अब फिर से बैंकों से नकद निकालकर अपने पास रखने को मजबूर होंगे। जब व्यापारी देखेंगे कि ?2,000 से ऊपर के पेमेंट पर उनका नुकसान हो रहा है, तो वे ग्राहकों को नकद भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे या फिर यूपीआई पेमेंट लेने से साफ इंकार कर देंगे। इससे वह काला धन और समानांतर अर्थव्यवस्था फिर से सिर उठाएगी, जिसे खत्म करने का दावा सरकार अक्सर करती रही है। डिजिटल लेन-देन में आने वाली इस गिरावट के लिए सीधे तौर पर सरकार की यह अदूरदर्शी और राजस्व-लोभी नीति जिम्मेदार होगी।देश का बुद्धिजीवी वर्ग और जागरूक नागरिक इस बात से भी बेहद खफा हैं कि सरकार एक तरफ तो कॉरपोरेट टैक्स में भारी छूट देती है, बड़े-बड़े उद्योगपतियों के लाखों करोड़ रुपये के कर्ज को बट्टा खाते में डाल देती है, लेकिन जब देश के आम नागरिकों की बात आती है, तो डिजिटल लेन-देन जैसी बुनियादी सुविधा पर भी टैक्स वसूलने के रास्ते तलाशने लगती है। ?75,000 से ऊपर के ट्रांजैक्शन पर अधिकतम ?300 की फीस तय करना इस बात का सबूत है कि सरकार को बड़े बिजनेसमैन की फिक्र है, लेकिन उस आम आदमी की कोई परवाह नहीं है जो अपनी गाढ़ी कमाई का छोटा-छोटा हिस्सा जोड़कर जीवन यापन कर रहा है। सरकार का यह कदम देश के नागरिकों के वित्तीय अधिकारों का हनन है। जब देश की जनता पहले से ही हर सामान पर भारी-भरकम जीएसटी दे रही है, अपनी आय पर इनकम टैक्स चुका रही है, तो फिर अपने ही पैसे को एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर करने या सामान खरीदने के डिजिटल माध्यम का उपयोग करने पर यह नया जुल्म क्यों ढाया जा रहा है?इस नए फ्रेमवर्क के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों से विरोध की आवाजें उठने लगी हैं। सोशल मीडिया से लेकर चाय की दुकानों और बाजारों तक में लोग इस कानून की कड़े शब्दों में निंदा कर रहे हैं। जनता का स्पष्ट मानना है कि यह कानून उनकी आर्थिक स्वतंत्रता पर एक अदृश्य बेड़ी है। सरकार को यह समझना होगा कि डिजिटल इंडिया की सफलता इस बात पर निर्भर नहीं थी कि सरकार उससे कितना राजस्व कमा सकती है, बल्कि इस बात पर थी कि वह कितनी आसानी से और मुफ्त में देश के आम नागरिक को वित्तीय मुख्यधारा से जोड़ सकती है। 15 अक्टूबर से लागू होने जा रहा यह नया ढांचा यूपीआई की इस मूल भावना की हत्या है। जनता इस आर्थिक तानाशाही को चुपचाप स्वीकार नहीं करेगी। यदि सरकार वास्तव में जनहितैषी होने का दावा करती है, तो उसे तुरंत इस जनविरोधी कानून को वापस लेना चाहिए और यूपीआई को बिना किसी शर्त, बिना किसी सीमा के हमेशा के लिए पूरी तरह मुफ्त रखने की लिखित गारंटी देनी चाहिए। अन्यथा, डिजिटल क्रांति का यह रथ बीच रास्ते में ही थककर रुक जाएगा और जनता का तंत्र से भरोसा हमेशा के लिए उठ जाएगा।

संपादकीय

अपना एजेंडा थोपने वाला इकोसिस्टम

किसी प्रकरण को अपने एजेंडे के हिसाब से तूल देकर अथवा उसकी अनदेखी कर समाज की चिंतनधारा को प्रभावित करने का काम किस तरह होता है और उसके लिए नैरेटिव गढ़ने वाला इकोसिस्टम कैसे काम करता है या नहीं करता, इसका ताजा उदाहरण है कि केरलम के उस मौलाना के प्रति नरम रवैया, जिसने कहा था कि महिलाएं घर से बाहर निकलीं तो तबाही होगी। तालिबानी सोच वाले ये मौलाना हैं शेख अबूबकर अहमद। उन्हें केरल का ग्रैंड मुफ्ती कहा जाता है। उनकी हैसियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उनके समर्थकों के दबाव के चलते केरलम के उस बिग टीवी को माफी मांगनी पड़ी, जिसने इस मुद्दे पर चर्चा की थी।

दबाव इतना था कि टीवी चैनल ने माफी मांगने के साथ ही इस बहस का वीडियो भी हटा दिया। इतना ही नहीं, उक्त बहस को संचालित करने वाली चैनल की पत्रकार अपर्णा के खिलाफ एफआइआर भी दर्ज कर दी गई-इस आरोप में कि उन्होंने माहौल बिगाड़ने और दंगे भड़काने का काम किया। यह तब हुआ, जब अपर्णा ने भी माफी मांग ली थी। यह सब कांग्रेस के शासन वाले केरलम में हुआ। गौर करें कि कांग्रेस के सर्वमान्य नेता राहुल गांधी ने कुछ दिनों पहले ही मनुस्मृति का उल्लेख करते हुए पितृसत्ता से लड़ने और उसे ध्वस्त करने की जरूरत जताई थी, लेकिन अबूबकर के बयान पर उन्हें सांप सा सूंघ गया। सनद रहे कि केरलम की कांग्रेस सरकार मुस्लिम लीग के समर्थन से चल रही है और प्रियंका गांधी वाड्रा उस वायनाड से सांसद हैं, जो लीग का गढ़ है।

हालांकि केरलम के मुख्यमंत्री ने मौलाना अबूबकर के बयान से असहमति जताई, लेकिन राहुल गांधी के मौन रहने के चलते कांग्रेस के किसी केंद्रीय नेता ने मौलाना के खिलाफ मुंह खोलने का साहस नहीं दिखाया। जो केरलम प्रगतिशीलता के लिए जाना जाता है और जहां की तमाम महिलाएं कामकाजी हैं, उसके ग्रैंड मुफ्ती अबूबकर ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि महिलाओं को सार्वजनिक जगहों पर नहीं जाना चाहिए। उन्होंने महिलाओं की तुलना सोने के गहनों से की थी, जिन्हें डिब्बे में सुरक्षित रखा जाता है। वैसे यह वह केरलम भी है, जहां इजरायल पर भीषण हमला करने वाले हमास के नेता का भाषण प्रसारित हुआ और जहां के अनेक युवा इस्लामिक स्टेट और अलकायदा में शामिल होने जा चुके हैं।

अबूबकर के घनघोर पितृसत्तावादी सोच और अपर्णा के खिलाफ एफआइआर दर्ज किए जाने पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के वे पैरोकार भी करीब-करीब मौन ही रहे, जिन्होंने किसी अन्य पंथ के धर्मगुरु के ऐसे ही बयान पर आसमान सिर पर उठा लिया होता। मीडिया के एक बड़े हिस्से ने भी इस मामले को महत्व देना जरूरी नहीं समझा। कोई भी समझ सकता है कि इसीलिए कि यह प्रकरण उनके नैरेटिव के मनमाफिक नहीं था। उन्हें इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ा कि ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने आए मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने केरलम दौर पर अबूबकर से भेंट करना आवश्यक समझा। उनके अबूबकर से मिलने पर हैरानी भी नहीं, क्योंकि उन्होंने जिहादी सोच वाले जाकिर नाइक को अपने यहां शरण दे रखी है।

जिस इकोसिस्टम को मौलाना अबूबकर के महिलाओं को पर्दे और घर में रखने वाले बयान पर कोई खास परेशानी नहीं हुई, वह जेएनयू के उन प्रोफेसर को लेकर भी नरम है, जिन पर विश्वविद्यालय की 11 छात्राओं ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। ये आरोप करीब चार महीने पहले लगाए गए थे, लेकिन कहीं कोई कार्रवाई नहीं हुई। एक तो शायद इसलिए कि प्रोफेसर मणिपुर से कांग्रेस के सांसद हैं और जेएनयू में वामपंथियों का बोलबाला है। कांग्रेस और वामपंथियों की जुगलबंदी किसी से छिपी नहीं।

आरोपित प्रोफेसर के खिलाफ कोई कार्रवाई न होते देखकर दिल्ली महिला आयोग ने जेएनयू कुलपति को नोटिस देकर विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति की ओर से की गई कार्रवाई के सिलसिले में तीन दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने आरोपों का स्वतः संज्ञान लिया।

डॉलर की नींव को बिना हिलाए उसे ब्रिक्स की चुनौती

अर्थव्यवस्था के दूसरे सभी मापदंड सरकार की ओर से बताए गए जीडीपी के इस दर की गवाही नहीं दे रहे हैं।

अर्थव्यवस्था के दूसरे सभी मापदंड सरकार की ओर से बताए गए जीडीपी के इस दर की गवाही नहीं दे रहे हैं। अगर रोजगार और निवेश जैसे दो अहम मापदंडों की बात करें तो जब अर्थव्यवस्था इतनी तेज गति से आगे बढ़ रही है तो मुल्क में गुणवत्ता वाली अच्छी नौकरियां क्यों नहीं पैदा हो रही है। मुल्क में बेरोजगारी की दर आज चरम पर है। और न ही विदेशी और निजी निवेश में कोई बढ़ोतरी दर्ज की गयी है।

तो क्या यह महज संयोग की बात है मोदी सरकार जो भी आंकड़े लेकर आ रही है वह सवालों के घेरे में आ जा रहा है। चंदा चोरी और कॉकरोच आंदोलन के बरअक्स लगातार फजीहत झेलने के बाद अभी चार दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आंखें चमका-चमका कर भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े जीडीपी के आंकड़े मुल्क को ऐसे बतला रहे थे गोया उन्हें कोई जादुई चिराग हाथ लग गया हो।सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में भारत की जीडीपी बढ़ोतरी दर 7.8 प्रतिशत रही। यों तो चींटी जैसे छोटे प्राणी को छोड़कर तिनका कभी किसी डूबते के लिए सहारा नहीं बन सकता। मगर प्रधानमंत्री इस आंकड़े को लेकर जिस अंदाज में इंस्टाग्राम वीडियो जारी कर जब मुल्क को संबोधित कर रहे थे तब तो ऐसा ही लगा जैसे किसी डूबते को तिनके का सहारा मिल गया हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा कि- दुनिया, युद्ध-संकट, सप्लाई चेन में बाधा और कोविड के बाद की आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही उन्होंने मुल्क की जनता को विदेश यात्रा न करने और सोना खरीदने की फिर से नसीहत दी। इस मौके पर भी वे गांधी परिवार और खासतौर से राहुल गांधी को लेकर अपनी परंपरागत कुंठा को छिपा नहीं सके। उन्होंने निराशा फैलाने वालों' और झूठ की गूंज जैसे जुमलों को इस्तेमाल किया जो सीधे तौर पर कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी की ओर इशारा था।वैसे, प्रधानमंत्री का इंस्टाग्राम वाला यह बयान इस मायने में भी विरोधाभासी है कि अगर मुल्क इस रफ्तार से तरक्की कर रही है, तो आखिर मुल्क की जनता को विदेश भ्रमण न करने और सोना न खरीदने की नसीहत क्यों दी जा रही है। जाहिर है जीडीपी को लेकर सरकार की ओर से जो ताजा आंकड़े पेश किए गए हैं, वे झूठे हैं। इन झूठे आंकड़ों पर सबसे वाजिब सवाल उठाया है पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग ने। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पहेल जीडीपी करीब 86.05 लाख करोड़ बतायी गई थी, लेकिन नए वित्त-वर्ष की उसी तिमाही का यह आंकड़ा घटकर तकरीबन 80 लाख करोड़ रह गया है यानि करीब 6 लाख करोड़ से ज्याद का ही अंतर है। सुभाष गर्ग के मुताबिक यह आंकड़ा असल में 2.6 प्रतिशत का है। उनका मौलिक सवाल है कि पिछले साल के आंकड़ों में इतना बड़ा संशोधन क्यों हुआ और इसका मौजूदा बढ़ोतरी दर पर क्या असर पड़ा?एक पुरानी कहावत है कि झूठ तीन प्रकार के होते हैं- झूठ, सफेद झूठ और आंकड़े। असल में यह बाजीगरी जीडीपी के गणना के तरीके के साथ की गयी है। सवाल है कि जिस तरीके से सरकार ने जीडीपी की गणना की है क्या वह मुल्क की सभी आर्थिक गतिविधियों को समाहित कर पाया है? सरकार

अर्थव्यवस्था के दूसरे सभी मापदंड सरकार की ओर से बताए गए जीडीपी के इस दर की गवाही नहीं दे रहे हैं। अगर रोजगार और निवेश जैसे दो अहम मापदंडों की बात करें तो जब अर्थव्यवस्था इतनी तेज गति से आगे बढ़ रही है तो मुल्क में गुणवत्ता वाली अच्छी नौकरियां क्यों नहीं पैदा हो रही है। मुल्क में बेरोजगारी की दर आज चरम पर है। और न ही विदेशी और निजी निवेश में कोई बढ़ोतरी दर्ज की गयी है।

असंगठित क्षेत्र तकरीबन बर्बादी के कगार पर पहुंच चुका है। मोदी सरकार की ओर से असंगठित क्षेत्र को दिए गए नोटबंदी, जीएसटी, कोरोना महामारी जैसे तमाम झटकों के बावजूद आज भी मुल्क मे तकरीबन 85 फीसदी से अधिक रोजगार असंगठित क्षेत्र ही पैदा करता है।जानकारों का मानना है कि जब अर्थव्यवस्था को लगातार इस तरह के गैरवाजिब झटकों का समाना करना पड़ा हो, संगठित क्षेत्र के संकेतकों के आधार पर असंगठित क्षेत्र की गतिविधियों का अनुमान करना आंकड़ों की बाजीगरी ही है। बहरहाल, दूसरी ओर जिस चीज में तेजी से बढ़ोतरी हुई है वह आवश्यक वस्तुओं की महंगाई है। बीते दिनों में दूध, चीनी, प्याज और अंडे की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। चीन 56 रुपये के बढ़कर 62 रुपये तक आ गई है। दूध की कीमत अब 93 रुपये से बढ़कर 102 रुपये पहुंच गई है। बीत दिनों में जिन आवश्यक चीजों में बढ़ोतरी हुई है अगर यहां सबका जिक्र किया जाने लगे तो काफी कागद कारे करने पड़ेंगे।

मुद्दे की बात है कि मुल्क में जनता तबाह और परेशान है। बनारस में विकास बता रहा है कि वह और उसका घर डूब रहा है और मुल्क के प्रधानमंत्री बतला रहे हैं कि चारों ओर खुशियां ही खुशियां ही फैल रही है। कहीं प्रधानमंत्री उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान के खुशियों की तो बात नहीं कर रहे हैं। फिलहाल तो सरकार की ओर से जीडीपी से जुड़े आंकड़ों की जो गूंज पैदा की गई है- वह झूठे हैं।

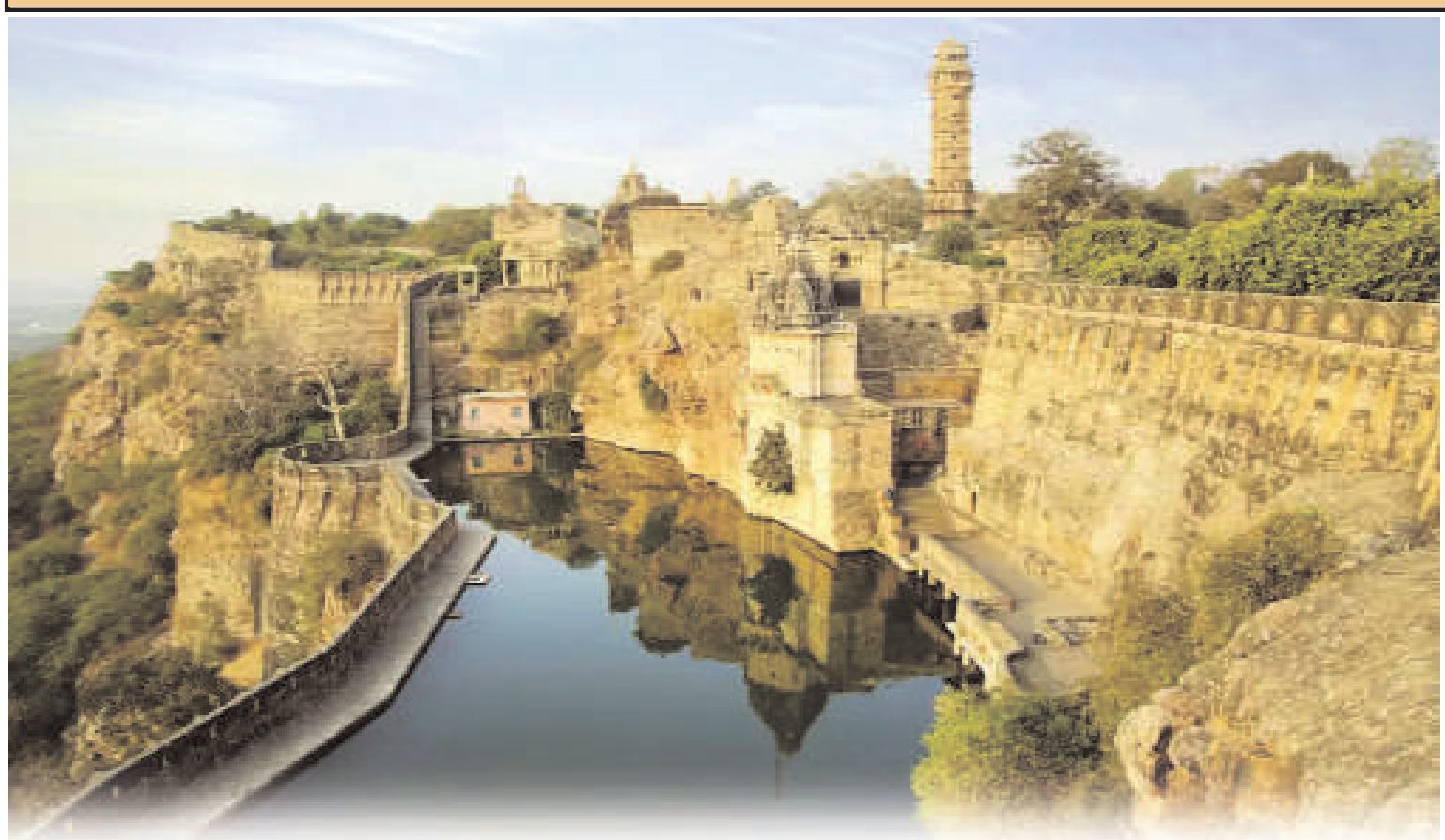

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है. कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया. तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए. जो मेरी बेटी थी. जो मेरा बेटा था. मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है. उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है. आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं. मैं चित्तौड़गढ़ हूं. आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों. राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे. पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना. हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है. हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो. हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे. जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी. जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया. मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो. जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे. जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी. ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था. तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा. मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए. गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला. कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया. रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था. जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी. लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा. जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया. हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया. फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए. सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता. लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया. वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था. लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया. सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा. ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी. कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था. लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका. रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ. 13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया. इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए. ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी. लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी. उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया. 1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ. और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया. और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए. राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया. महाराणा सांगा. महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए. इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई. मैं यानी चित्तौड़गढ़ किला अभेद्य था. पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी. साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था. लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था. जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे. और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है. जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी. राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की. तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी. हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया. दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा. वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है. राणा कुंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था. तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे. रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी. जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे. अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया. एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ. तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया. तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे. मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी. 16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया. मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया. उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा. उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली. मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए. वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े. और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी. जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है. प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे. भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया. 1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे. मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा. मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है. इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं. मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है. मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है. मैं सब जानता हूं. मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है. मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं. मैं चित्तौड़ हूं.

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा?

मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया।

पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है. यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्ध है. वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था. इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है. इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चित्तौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे. इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल, दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्ब में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है. इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है. इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चित्तौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमीन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चित्तौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है. उदाहरण के तोर पर चित्तौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है. हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।

5 महीने में क्यों हुआ

ईशा रिखी

और बादशाह का तलाक? 'बिग बॉस 20' में किया सबसे बड़ा खुलासा

रैपर बादशाह और उनकी एक्स वाइफ ईशा रिखी का रिश्ता लंबे वक्त से चर्चा में है. दोनों की शादी का खुलासा 5 महीने पहले ही हुआ था, लेकिन फिर पता लगा कि चीजें बिगड़ गई हैं. साथ ही दोनों अब अलग होने का ऑफिशियल ऐलान कर चुके हैं. यूं तो ईशा रिखी इस वक्त 'बिग बॉस 20' का हिस्सा हैं, साथ ही शुरुआत में कहा था कि उस रिश्ते को लेकर बातचीत नहीं करेंगी. पर कुछ ही दिन बाद ईशा ने तलाक की वजह बता दी है. वैसे तो ईशा ने कनिका को एग्जाम्पल देकर समझाया है, पर रिश्ता टूटने के पीछे बादशाह को वजह बताया है.

पंजाबी एक्ट्रेस और 'बिग बॉस 20' कंटेस्टेंट ईशा रिखी ने रिश्ते और शादी को लेकर कई हैरान करने वाले खुलासे किए हैं. ईशा ने बताया कि उस रिश्ते के दौरान उन्हें किस तरह के दर्द और धोखे से गुजरना पड़ा था. जब वो इस रिश्ते में थीं, तो चीजें वैसी नहीं थीं जैसी बाहर से नजर आ रही थीं. उनके साथ झूठ बोला गया और वो

लंबे समय तक एक टॉक्सिक माहौल में रहीं.

ईशा ने बादशाह को लेकर क्या कहा ?

बिग बॉस 20 के हालिया एपिसोड में, ईशा को कनिका से शादी को लेकर बात करते हुए देखा. वो कहती दिखीं- अगर कोई आकर मुझसे कहे कि कनिका ऐसी-ऐसी है, तो मैं तब तक उनकी बात पर यकीन नहीं करूंगी जब तक मैं खुद न देख लूं.

मैं ऐसी ही हूं. रिश्तों के मामले में भी मेरा यही रवैया है. अगर कोई आकर मुझसे कुछ भी कहेगा, तो मैं उनसे कहूंगी, 'या तो मुझे सबूत दो, या फिर मेरे दिमाग के साथ खेलना बंद करो. जिसके बाद ईशा ने इशारा किया कि भले ही रिश्ते के दौरान उन्हें कुछ शक हुआ हो, लेकिन उन्होंने तब तक उन पर यकीन नहीं किया जब तक उन्होंने खुद चीजें नहीं देख लीं.

वो आगे कहती हैं, जब रिश्ता खत्म होता है, तब आपको एहसास होता है कि पूरे समय आपके साथ धोखा हो रहा था. जब कनिका ने उनसे पूछा कि उसे किस तरह के धोखे का सामना करना पड़ा? फिजिकल, इमोशनल या सोशल?'.तो ईशा ने जवाब देने से पहले थोड़ा रुककर कहा, ये सभी.

बादशाह के साथ रिश्ता था टॉक्सिक ?

ईशा ने कहा कि: बीच में लटके रहना बहुत टॉक्सिक होता है. यह ऐसा है जैसे मैं तुम्हें यकीन दिलाऊं कि तुम मेरी बेस्ट फ्रेंड हो. मैं तुम्हारे साथ बेस्ट फ्रेंड जैसा बर्ताव कर रही हूं. तुम्हें बेस्ट फ्रेंड की तरह जगहों पर ले जा रही हूं, लेकिन फिर तुम्हें पता चलता है कि तुम असल में कभी मेरी बेस्ट फ्रेंड थी ही नहीं. उन्हें अपने पार्टनर के सोशल सर्कल के सभी लोगों से नहीं, बल्कि सिर्फ कुछ खास लोगों से ही मिलवाया गया था.

यहीं पटक कर फेंक दूंगा साइड में...अरिशफा खान को स्काउट की धमकी, कैप्टंसी टास्क में बवाल

बिग बॉस 20 शुरु हुए कुछ ही दिन हुए हैं और घर में घमासान देखने को मिल रहा है. अब तक कई कंटेस्टेंट्स आपस में लड़ चुके हैं. जैसे-जैसे शो आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे घर के सदस्यों के बीच मुकाबला भी तेज होता जा रहा है. अब कैप्टंसी टास्क के दौरान कुछ ऐसा देखने को मिला, जिसने घर का माहौल गरमा दिया है. टास्क के बीच अरिशफा खान और स्काउट के बीच बात इतनी बढ़ गई कि दोनों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली है.

कैप्टेंसी की रेस में आगे निकलने की कोशिश कर रहे कंटेस्टेंट्स के बीच जमकर बहस हुई है. लेकिन अरिशफा और स्काउट में काफी ज्यादा बहस देखने को मिली. इस बीच स्काउट ऊर्फ तन्मय ने अरिश्फा को धमकी तक दे डाली है, जिसके बाद बाकी कंटेस्टेंट्स ने भी तन्मय को गलत बताया है. चलिए जानते हैं आखिर पूरा मामला क्या है?

स्काउट ने दी अरिशफा को धमकी

दरअसल, बिग बॉस के अपकमिंग एपिसोड का एक प्रोमो सामने आया है. इसमें स्काउट और अरिशफा के बीच तीखी बहस होती नजर आ रही हैं. प्रोमो में देखने को मिला है कि, बिग बॉस ने घरवालों को कैप्टेंसी टास्क दिया है, जिसमें लड़कियों को लड़कों को रंगना है. इसी टास्क के दौरान अरिशफा और स्काउट के बीच टकराव देखने को मिलता है. दोनों पहले एक दूसरे को काफी कुछ बोलते हैं. लेकिन इस बीच स्काउट अरिशफा को कहता है कि, यहीं पटक कर फेक दूंगा साइड मेंज. इतना ही नहीं स्काउट अरिशफा को उकसाने के लिए उन्हें बच्ची भी कहते हैं.

अरिशफा भी शांत नहीं रहती हैं और वो स्काउट पर पर्सनल कमेंट करते हुए कहती हैं कि, आपको गेमिंग के अलावा कुछ नहीं आता है. बता दें कि, ये लड़ाई इतनी बढ़ गई है कि स्काउट रोते हुए भी नजर आए हैं. अब आज यानी 15 सितंबर को आने वाले एपिसोड में देखना होगा कि आखिर मामला कहां तक जाता है.

अजय देवगन की वो फिल्म, जिसके लिए माही विज थी पहली पसंद, बात बिगड़ी और करीना कपूर को मिला रोल

सलमान खान के पॉपुलर रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में खूब ड्रामा देखने को मिल रहा है. टास्क में लड़ाई झगड़े से लेकर किचन तकज घर में दो ग्रुप बंट गए हैं. इन सबके बीच टीवी एक्ट्रेस माही विज एकदम फ्रंट फुट पर खेल रही हैं. जो इस साल की पॉपुलर कंटेस्टेंट हैं. खुद सलमान भी खुलासा कर चुके हैं कि उन्हें कई सालों से शो ऑफर हो रहा था, पर वो इस साल आने के लिए राजी हुई हैं. माही विज ने न सिर्फ टीवी पर काम किया है, बल्कि फिल्मों में भी उन्हें देखा गया है. हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें अजय देवगन की फिल्म 'युवा' ऑफर हुई थी, पर बाद में वो रोल करीना कपूर ने किया.

माही विज ने 'बिग बॉस 20' में खुलासा किया कि उन्हें मणिरत्नम की 'युवा' में करीना कपूर खान वाला रोल करने के लिए चुना गया था. 15 सितंबर वाले एपिसोड में माही विज ने यह बात बताई. जब वो कनिका मान से बात कर रही थीं. साथ ही हिट म्यूजिक वीडियो में काम करने के बाद टीवी में काम करने की वजह का भी खुलासा किया.

माही विज ने किया बड़ा खुलासा

'बिग बॉस 20' के 10वें एपिसोड के दौरान माही विज ने कहा कि मुंबई आते ही मुझे मिल गया म्यूजिक वीडियो पिंक ड्रेस वाला, 'तू तू है वही'. फिर लाइन से बहुत सारे म्यूजिक वीडियो थे. सारे हिट किए मैंने. म्यूजिक वीडियो खत्म हो गए, फिर मैंने साउथ फिल्में कीं प्रभुदेवा के साथ. फिर मैंने की ममूटी के साथ. वहां से मैं फाइनल हुई थी 'युवा' के लिए. मणिरत्नम ने मुझे 'युवा' के लिए सेलेक्ट किया. करीना वाले रोल के लिए, विवेक ओबेरॉय के साथ. वहां इक्वेशन थोड़ी खराब हो गई किसी के साथ. फिर वापस आ गई इधर मुंबई. 2-3 फिल्में कैंसिल हो गई, फिर मैंने सोचा टीवी करूंगी. हालांकि, एक्ट्रेस की किसके साथ बात बिगड़ी, उनके नाम का खुलासा नहीं किया है.

दरअसल माही विज को कलर्स टीवी के शो 'लागी तुझसे लगन' में नकुशा के किरदार से घर-घर में पहचान मिली थी. वो 'झलक दिखला जा' के चौथे सीजन में भी हिस्सा ले चुकी हैं. वहीं, रियलिटी शो 'नच बलिए 5', 'बालिका वधू' और 'सहर होने को है' में भी काम किया. इसी साल मई में उन्होंने शो छोड़ दिया था, अब बिग बॉस 20 में पहुंची हैं.

कब आई थी फिल्म 'युवा' ?

साल 2004 में मणिरत्नम की फिल्म 'युवा' आई थी. जिसमें अजय देवगन , अभिषेक बच्चन, विवेक ओबेरॉय, रानी मुखर्जी , करीना कपूर और ईशा देओल ने काम किया था. पिक्चर में करीना ने मीरा का किरदार निभाया, जो कानपुर जा रही एक लड़की होती है और अर्जुन की प्रेमिका बनी दिखती हैं. यही रोल पहले माही विज को मिला था.

तनीषा मुखर्जी

ने शादीशुदा पुरुषों से अफेयर करने वाली महिलाओं पर साधा निशाना, बोलीं- ये फेमिनिज्म नहीं है

बॉलीवुड एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं. वैसे तो फिल्मों से लंबे समय से दूर हैं. लेकिन अपनी राय रखना नहीं भूलती हैं. इस वक्त एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिसकी वजह से हर तरफ उनकी चर्चा हो रही है. दरअसल, तनीषा ने शादीशुदा पुरुषों के साथ अफेयर रखने वाली महिलाओं को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसके बाद इस मुद्दे पर बहस छिड़ गई है. तनीषा ने कहा कि ऐसी महिलाएं फेमिनिस्ट नहीं हैं, बल्कि दूसरी महिलाओं के खिलाफ हैं.उन्होंने ऐसी महिलाओं को ईविल यानी गलत बताते हुए यह भी सवाल उठाया कि क्या उन्हें बच्चों के लिए रोल मॉडल माना जाना चाहिए. उनके इस बयान पर कई लोगों ने रिएक्ट भी किया है. चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि तनीषा के इस बयान पर किसने क्या कहा है?

तनीषा ने किया एक्स पर पोस्ट

तनीषा ने एक्स पर लिखा, मेरे विचार- जो महिलाएं शादीशुदा पुरुषों के साथ अफेयर करती हैं, वे फेमिनिस्ट नहीं हैं. बल्कि वे महिलाओं के खिलाफ हैं! क्योंकि किसी के पति के साथ रहना उसकी पत्नी का अपमान करना है. इसके लिए पुरुष भी जिम्मेदार है. उसमें चरित्र की कमी है और जो महिलाएं शादीशुदा पुरुषों के पीछे जाती हैं, वे बस गलत हैं. उन्हें हमारे बच्चों के लिए रोल मॉडल नहीं होना चाहिए. मैंने जो कहा, वो कहा.

तनीषा के बयान पर लोगों की राय

तनीषा की इस पोस्ट पर कई लोगों ने अपनी राय रखी है. एक एक्स यूजर ने उनके विचारों का समर्थन करते हुए लिखा, बिल्कुल, जो भी जानबूझकर किसी की शादीशुदा जिंदगी बर्बाद करता है, उसे उसके जेंडर की परवाह किए बिना सवालों के घेरे में लाया जाना चाहिए. मेरी सलाह है कि शादीशुदा लोगों से दूर रहें. इतनी बड़ी आबादी है, मुझे पूरा भरोसा है कि हम सभी को कोई न कोई सिंगल इंसान मिल सकता है.

एशियाई खेल : विश्व कप की सीख को मैदान पर उतारकर स्वर्ण बचाने उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी विश्व कप में आठवें स्थान पर रहने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अब उस अनुभव से सीख लेते हुए जापान में होने वाले एशियाई खेलों में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने पर ध्यान केंद्रित कर दिया है। एशियाई खेलों का खिताब भारत के लिए 2028 में क्लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम जापान पहुंच चुकी है और रविवार को इंडोनेशिया के खिलाफ होने वाले अपने शुरुआती मुकाबले की तैयारियों में जुटी है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम की तैयारियों, विश्व कप के बाद वापसी, माउंट फूजी में आयोजित बॉन्डिंग कैंप और एशियाई खेलों की रणनीति पर विस्तार से बात की। विश्व कप और एशियाई खेलों के बीच कम समय मिलने के बावजूद फुल्टन ने कहा कि टीम दोबारा मैदान पर उतरने के लिए उत्साहित है। उन्होंने माउंट फूजी में हुए बॉन्डिंग कैंप को कठिन लेकिन बहुत सीख देने वाला अनुभव बताया।

भारतीय फुटबॉलर दलिमा छिब्बर नोवा स्पोर्ट्स से जुड़ीं, युवा महिला खिलाड़ियों के विकास की संभालेंगी जिम्मेदारी

मुंबई। भारतीय राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी दलिमा छिब्बर नोवा स्पोर्ट्स से जुड़ गई हैं। उन्हें फुटबॉल कल्चर और प्लेयर पाथवे लीड की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह नोवा फुटबॉल अकादमी के पाठ्यक्रम, खिलाड़ियों के विकास की प्रक्रिया और एथलीट मेंटरशिप कार्यक्रम को तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। दलिमा खिलाड़ियों, कोचों और अभिभावकों के लिए संपर्क सूत्र के रूप में भी काम करेंगी। इसके अलावा वह कैमरे के सामने और बाहर नोवा स्पोर्ट्स के ब्रांड का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनकी भूमिका में फुटबॉल के व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में योगदान देना भी शामिल है। इसमें कोचों को जोड़ना, उनका प्रशिक्षण और विकास तथा विशेष रूप से महिला कोचों की पहचान और उन्हें आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। दलिमा खिलाड़ियों के विकास के अलग-अलग चरणों में सहयोग करने वाली व्यवस्थाएं तैयार करने में भी योगदान देंगी। नोवा स्पोर्ट्स के साथ जुड़ने पर दलिमा ने कहा, 'खिलाड़ियों और महिला फुटबॉलरों के रूप में हम लंबे समय से अधिक व्यवस्थित व्यवस्था और खेल को आगे बढ़ाने में मदद करने वाले लोगों की मांग कर रहे हैं। कैप्री स्पोर्ट्स को आगे आकर यह पहल करते देखना बहुत उत्साहजनक है।

डब्ल्यूसीपीएल में खेलने से भारतीय महिला क्रिकेटरों को मिलेगा बड़ा अनुभव: झूलन गोस्वामी

बारबाडोस। भारतीय महिला क्रिकेटरों के लिए महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) में खेलना विदेशी परिस्थितियों को समझने और अपने खेल को बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण अनुभव है। त्रिनबागो नाइट राइडर्स महिला टीम की मुख्य कोच और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने कहा कि घरेलू माहौल से बाहर निकलकर अलग परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों को भविष्य में बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। डब्ल्यूसीपीएल में भारतीय खिलाड़ियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। जेमिमा रोड्रिग्स पहले त्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए खेल चुकी हैं, जबकि यास्तिका भाटिया इस सत्र में टीम का हिस्सा हैं। शिखा पांडे भी कई वर्षों से टीम के साथ जुड़ी हुई हैं। झूलन ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा, 'एक क्रिकेटर के तौर पर जब आप अपने सहज माहौल से बाहर निकलकर खेलते हैं तो आपको बहुत अनुभव मिलता है। निश्चित रूप से यह भविष्य में आपकी मदद करता है। यही वजह है कि जब भी भारतीय लड़कियों को इस तरह का अवसर मिलता है तो वे यहां आकर खेलना पसंद करती हैं। '

नोवाक जोकोविच ने चाइना ओपन में खेलने की पुष्टि की, 11 साल बाद बीजिंग लौटेंगे

बीजिंग। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने आगामी चाइना ओपन में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। एटीपी-500 टूर्नामेंट का आयोजन बीजिंग में 28 सितंबर से 6 अक्टूबर तक किया जाएगा। जोकोविच ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए कहा, 'मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं कई वर्षों बाद बीजिंग में चाइना ओपन खेलने के लिए वापस आ रहा हूं। '39 वर्षीय जोकोविच 11 साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे। चाइना ओपन में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और हाल में यूएस ओपन का खिताब जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी हिस्सा लेंगे।

एशियन गेम्स: बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम सेमीफाइनल में

बारिश की वजह से रद्द हुआ था क्वार्टर फाइनल

एजेंसी

निशिन । बांग्लादेश ने एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। गुरुवार को बांग्लादेश का चीन के साथ कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में क्वार्टर फाइनल मुकाबला होना था, जो बारिश की वजह से बिना कोई गेंद फेंके रद्द हो गया। इसके बाद आईसीसी में बेहतर रैंक के आधार पर बांग्लादेश को सेमीफाइनल में प्रवेश दिया गया। बांग्लादेश और चीन के बीच होने वाला क्वार्टर फाइनल मुकाबला गीले आउटफील्ड के कारण बिना एक भी गेंद फेंके बिना रद्द हो गया। मैच के लिए टॉस भी नहीं हो सका था। बारिश जल्दी रुकने के बावजूद, कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के

आउटफील्ड पर लगातार नमी के कारण कोई खेल नहीं हो सका। अधिकारियों ने आउटफील्ड को जांच के दौरान मैच के लिए तैयार नहीं माना। कोई नतीजा नहीं निकलने पर, बांग्लादेश टूर्नामेंट के नियमों में अपनी ऊंची रैंक की वजह से अंतिम चार में पहुंच गया। बांग्लादेश की टीम आईसीसी टी20 महिला रैंकिंग में 10वें स्थान पर है, जबकि चीन 36वें स्थान पर है।

बांग्लादेश अब 20 सितंबर को सेमीफाइनल में गत चैंपियन भारत और मेजबान जापान के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगा। भारत, जिसने 2023 हांगझोऊ एशियन गेम्स में विमेंस क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीता था, बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ सीधे नॉकआउट स्टेज में पहुंच गया है। मेजबान जापान को भी क्वार्टर फाइनल में सीझे एंट्री मिली है। मलेशिया, थाईलैंड और चीन ने क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के जरिए आखिरी आठ में अपनी जगह पक्की की। दूसरे क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका का मुकाबला मलेशिया से होगा, जबकि पाकिस्तान का सामना थाईलैंड से होगा। इन दो मैचों के विनर दूसरे सेमीफाइनल में भिड़ेंगे। क्रिकेट चौथी बार एशियन गेम्स का हिस्सा है। इससे पहले यह ग्वांगझू 2010, इंचियोन 2014 और हांगझोऊ 2023 में क्रिकेट शामिल था। भारत ने हांगझोऊ में पुरुष और महिला दोनों वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था।

पाकिस्तान टेस्ट टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहा हूं: हारिस रऊफ

एजेंसी

नई दिल्ली । कभी अपने तेज गेंदबाजों की वजह से विश्व क्रिकेट में खतरनाक टीम के तौर पर स्थापित रही पाकिस्तान क्रिकेट टीम मौजूदा समय में टेस्ट फॉर्मेट में एक अच्छे तेज गेंदबाज के लिए तरस रही है। टीम के पास ऐसा कोई गेंदबाज नहीं है, जो टेस्ट में लगातार 140 किलोमीटर प्रति घंटा या उससे अधिक गति से गेंदबाजी करे। हारिस रऊफ ने इस कमी को पूरा करने की उम्मीद जताई है। हारिस रऊफ फिलहाल पाकिस्तान में प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड 1 टूर्नामेंट में प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेल रहे हैं। इस टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन के आधार पर रऊफ श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहते हैं। रऊफ ने हाल ही में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में तीसरी बार 5 विकेट लिया है। उन्होंने 13 ओवर में 34 रन देकर 5 विकेट लिए। इस प्रदर्शन के बाद रऊफ ने अपने विभाग द्वारा वीडियो में कहा, 'जब आप क्रिकेट खेलते हैं तो हमेशा एक मकसद होता है जो आपको आगे बढ़ाता है। मैं श्रीलंका सीरीज के लिए अपना नाम आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा हूं। पाकिस्तान को भी एक तेज गेंदबाज की जरूरत है। प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी में अभी काफी मैच बाकी हैं। देखते हैं भविष्य में क्या होता है। ' रऊफ ने कहा, 'मैंने पिछले सीजन में चार दिन का क्रिकेट खेला था और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले ग्रेड-II क्रिकेट में भी समय बिताया था। जब भी आपको समय मिलता है, आप लंबे फॉर्मेट में खेलकर खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज आने वाली हैं।

आर अश्विन- 6 शतक और 500 से अधिक विकेट लेने वाले इकलौते खिलाड़ी

उन्होंने अपने करियर के दौरान कुल 11 बार 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' अवॉर्ड जीता। अश्विन को साल 2005 में भारतीय सरकार ने 'पद्म श्री' अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज स्पिनर्स का जब जिक्र होता है, तो उस लिस्ट में रविचंद्रन अश्विन का नाम भी शान से लिया जाता है। अश्विन ने अपने इंटरनेशनल करियर में वो तमाम उपलब्धियां हासिल कीं, जिसका सपना एक क्रिकेटर देखता है। अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 250 और 300 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज रहे। अश्विन का जन्म 17 सितंबर, 1986 को चेन्नई में हुआ। अश्विन के पिता खुद एक मध्यम गति के गेंदबाज थे और पिता को देखकर ही अश्विन क्रिकेट से परिचित हुए। धीरे-धीरे अश्विन का लगाव क्रिकेट के प्रति बढ़ता चला गया। अश्विन अपने करियर की शुरुआत में सलामी बल्लेबाज हुआ करते थे।

हालांकि, 14 वर्ष की उम्र में अश्विन बुरी तरह से चोटिल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इसके बाद अश्विन ने क्रिकेट के मैदान पर वापसी की, तो सलामी बल्लेबाज की जगह भर चुकी थी। मां के कहने पर अश्विन ने स्पिन गेंदबाजी में हाथ आजमाए और जल्द ही वह

इसमें रम गए। अश्विन ने इसके बाद घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2010 में उन्हें भारतीय टीम से बुलावा आया। जिम्बाब्वे के खिलाफ अश्विन ने वनडे फॉर्मेट में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। इसी साल उन्होंने अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। वहीं, क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में अश्विन को डेब्यू करने का मौका 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिला। अश्विन ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के बूते जल्द ही भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली।अश्विन विश्व कप 2011 में चैंपियन बनी भारतीय टीम का हिस्सा भी रहे। वहीं, 2013 में उन्होंने एमएस धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जिताने में भी अहम भूमिका निभाई। अश्विन ने भारत के लिए खेले 106 टेस्ट मैचों में कुल 537 विकेट चटकाए। इस दौरान उन्होंने 37 बार एक पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने 116 वनडे मैचों में कुल 156 विकेट निकाले, जबकि टी20 इंटरनेशनल में अश्विन ने 65 मुकाबलों में कुल 72 विकेट झटके। गेंदबाजी के साथ-साथ अश्विन ने बल्ले से भी भारत के लिए अहम किरदार निभाया। उन्होंने टेस्ट में 3,503 रन बनाए, जिसमें छह शतक शामिल रहे। वहीं, वनडे में उनके बल्ले से 707 रन आए। अश्विन टेस्ट क्रिकेट में इकलौते ऐसे क्रिकेटर हैं, जिन्होंने 500 से अधिक विकेट लेने के साथ-साथ इस फॉर्मेट में 6 शतक भी लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा बार 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' जीतने का रिकॉर्ड अश्विन के नाम दर्ज है।

मेसी इंटर मियामी के लिए 100 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बने

क्लब ने 'कैम्पियोन्स कप' का खिताब जीता

एजेंसी

मियामी । लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के लिए खेलते हुए अपना 100वां गोल पूरा किया। मेसी के इस गोल से इंटर मियामी ने लीगा एमएक्स की टीम क्रूज अजुल को 2-0 से हराकर कैंपियोन्स कप जीता। मेसी ने 24वें मिनट में गोल किया, जिसके बाद कासेमिरो ने दूसरे हाफ में हेडर से गोल करके जीत पक्की कर दी। मेसी ने लुइस सुआरेज से मिले एक सटीक क्रॉस गेंद को बॉक्स के अंदर डाल दिया। इसके बाद मेसी ने दूसरे गोल में अहम भूमिका निभाई, 81वें मिनट में बाईं ओर से कॉर्नर दिया। केसेमिरो ने डिफेंडरों के ऊपर से निकलकर हेडर से बॉल को गोल में डाला और बढ़त को दोगुना कर दिया। क्रूज अजुल के पास छठे मिनट में एक शुरुआती मौका था, लेकिन इंटर मियामी के गोलकीपर डेन सेंट क्लेयर ने जोस पैराडेला को

रोकने के लिए एक शानदार बचाव किया। इसके बाद क्रूज अजुल को गोल का मौका नहीं मिला और टीम को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से नए हेड कोच क्रिस्टियन गोंजालेज का भी विजयी डेब्यू हुआ, जिन्होंने चैंपियनशिप मैच में पहली बार इंटर मियामी की कमान संभाली। अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी इंटर मियामी के इतिहास में 100 गोल तक पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 115 मैच खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। क्लब के लिए मेसी के 100 गोल चार सीजन में हुए हैं।

एशियन गेम्स 2026: फातिमा सना की कप्तानी पारी

थाईलैंड को हराकर पाकिस्तान ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

एजेंसी

निशिन । पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 3 विकेट से हराया। झमाझम बारिश के चलते गीली आउटफील्ड के कारण इस मैच को 11-11 ओवर का किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए थाईलैंड की बल्लेबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा। उन्होंने 11 ओवर में 4 विकेट खोकर 91 रन स्कोरोबोर्ड पर लगाए। टीम की तरफ से नानापत कोंचारोएनकाई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंदों में 49 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके लगाए। वहीं, फन्निता माया ने 16 गेंदों में 15 रन बनाए, जबकि कप्तान नारुएमोल चाईवाई ने 3 गेंदों में 10 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से गेंदबाजी में कप्तान फातिमा सना का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 3 ओवर के स्पेल में 22 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि

नशरा संधू ने एक विकेट अपने नाम किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम को गुल फिरोजा और शवाल जुल्फिकार ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 3.5 ओवर में 36 रन जोड़े। फिरोजा 13 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, जुल्फिकार ने 178 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 14 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाए। आयशा जाफर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और एक रन बनाकर आउट हुईं। पाकिस्तान का बल्लेबाजी क्रम अचानक से बुरी तरह से लड़खड़ा गया और टीम ने 11 रन जोड़कर अपने 4 विकेट गंवा दिए। हालांकि, इसके बाद गेंद कप्तान फातिमा सना ने मोर्चा संभाला और उन्होंने 13 गेंदों में 21 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलते हुए पाकिस्तान को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया।

ला लीगा: बार्सिलोना ने रेसिंग सैंटेंडर को और एटलेटिको ने ओसासुना को हराया

एजेंसी

मैड्रिड । एफसी बार्सिलोना कैंप नोउ में रेसिंग सैंटेंडर को 7-2 से हराने के बाद छह में से छह जीत के साथ ला लीगा में टॉप पर बना हुआ है। नई प्रमोट हुई मेहमान टीम ने पिछले वीकेंड अलावेस को हराने वाली टीम में आठ बदलाव किए, लेकिन बार्सिलोना ने जोआओ कैंसेलो के शानदार गोल और राफिन्हा की पेनल्टी से 2-0 की बढ़त बना ली। मैगुएट गुये ने एसियर विलालिब्रे के असिस्ट पर रेसिंग के लिए एक गोल किया, लेकिन कैंसेलो ने 36वें मिनट में विलालिब्रे के डिफ्लेक्शन पर दूर से अपना दूसरा गोल किया। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, राफिन्हा ने फिर स्कोर 4-1 कर दिया, जिसमें रेसिंग के गोलकीपर जुलेन एगिरेजाबाला ने ब्रेक से पहले लामिन यामल की पेनल्टी बचा ली।दूसरे हाफ की शुरुआत में बार्सिलोना के लिए वोज्शिएक स्जेसनी के गोल करने के बाद,

यासिर जबीरी ने 65वें मिनट में सीजन का अपना छठा गोल करके स्कोर कम किया, लेकिन बार्सिलोना ने तुरंत जवाब दिया जब राफिन्हा ने दो मिनट बाद स्पॉट से अपनी हैट्रिक पूरी की।

गैब्रियल जीसस ने एक शानदार फिनिश करके स्कोर 6-2 कर दिया, और यामल ने 89वें मिनट में सातवां गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने अपने शुरुआती छह मैचों में 28 गोल कर लिए। एटलेटिको मैड्रिड ने रविवार को रियल मैड्रिड के खिलाफ होने वाले डर्बी के लिए मेट्रोपोलिटानो में ओसासुना को 4-0 से हराकर वार्म अप किया। जोनाथन डेविड ने 24वें मिनट में इतने ही मैचों में अपना दूसरा गोल करके स्कोरिंग शुरू की, इससे पहले ली कांग-इन ने 54वें मिनट में एंगल्ड ड्राइव से दूसरा गोल किया। रॉबिन ले नॉर्मंड ने कॉर्नर से स्कोर 3-0 कर दिया, और एलेक्स बेना ने जॉनी कार्डोसो के पास पर स्कोरिंग पूरी की। सेविला ने अपनी शानदार शुरुआत जारी रखते हुए डेपोर्टिवो ला कोरुना को 1-0 से हराया, जब मिगुएल सिएरा ने 52वें मिनट में गोलकीपिंग की गलती का फायदा उठाकर गोल किया। डेपोर्टिवो की टीम एक घंटे बाद 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई जब लेफ्ट-बैक एंजेलिनो को खराब चैलेंज के लिए बाहर भेज दिया गया। लेवांटे और एथलेटिक बिलबाओ के बीच बुधवार को होने वाला मैच लेवांटे के स्यूदाद डे वालेंसिया स्टेडियम में आंधी-तूफान के बाद किकऑफ से पहले ही टाल दिया गया।

स्पेन को विश्व चैंपियन बनाने वाले कोच लुइस डे ला फुएंते अपना करार 2032 तक बढ़ाने पर सहमत

स्पैनिश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष राउल लूजन ने यह जानकारी दी।

एजेंसी

मैड्रिड । स्पेन को 2026 फीफा विश्व कप में चैंपियन बनाने वाले कोच लुइस डे ला फुएंते 2032 तक अपने पद पर बने रहने के लिए अनुबंध बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं। स्पैनिश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष राउल लूजन ने यह जानकारी दी। लुइस डे ला फुएंते का अनुबंध बढ़ाए जाने के मतबल यह हुआ कि स्पेन उन्हीं के नेतृत्व में फीफा विश्व कप 2026 में उतरेगी। वर्ल्ड फुटबॉल समिट में लूजन ने कहा कि डे ला फुएंते के रहने का फैसला, जो उनकी मौजूदा डील यूरो 2028 के बाद तक चलेगी, उनके नतीजों, काम और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक समर्थन पर

आधारित था। उन्होंने कहा, 'उनके नतीजे खुद बोलते हैं, और उनका काम करने का तरीका खुद बोलता है। जनता उन्हें प्यार करती है और उनकी तारीफ करती है। ' डे ला फुएंते, स्पेन के पूर्व अंडर-21 कोच, जिन्होंने 2022 वर्ल्ड कप के बाद लुइस एनरिक की जगह ली, ने स्पेन को 2023 यूईएफए नेशंस लीग, यूरो 2024 और फीफा विश्व कप 2026 का खिताब दिलाया है। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने लियोनेल मेसी की कप्तानी वाली मजबूत अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर खिताब जीता था। यह स्पेन का दूसरा विश्व कप खिताब था। ठीक 2 साल पहले स्पेन ने यूरोपियन शोपीस में इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। लूजान ने कहा, 'मैंने उनका अनुबंध बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है क्योंकि वह आर्थिक हालात में टॉप-10 कोच में नहीं थे, और अब वह होंगे। हम अनुबंध को फाइनल कर रहे हैं ताकि वह और सालों तक हमारे साथ रहें। वह 14 साल से हमारे साथ हैं और मैं चाहता हूं कि वह अपना करियर यहीं खत्म करें। ' डे ला फुएंते, जिन्होंने स्पेन की निचली लीग से अपना कोचिंग करियर शुरू किया था, एनरिक की जगह लेने से पहले स्पेन के यूथ सेट-अप में नौ साल बिताए, 2015 में यूरोपियन अंडर-19 चैंपियनशिप, 2019 में यूरोपियन अंडर-21 चैंपियनशिप और टोक्यो में 2021 ओलंपिक्स में रजत पदक जीता।

जन्मदिन विशेष: आईपीएल ने तेज गेंदबाज मोहित शर्मा के करियर को दी बुलंदी

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट में 2013 से 2015 के बीच तेज गेंदबाज मोहित शर्मा का नाम बहुत तेजी से ऊपर आया था। घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने वाले मोहित की ताकत सटीक लाइन लेंथ और विविधता थी। उनके पास गेंद को स्विंग कराने की क्षमता के साथ ही बाउंसर और यॉर्कर डालने की क्षमता थी। मोहित शर्मा का जन्म 18 सितंबर 1988 को हरियाणा के बल्लभगढ़ में हुआ था। मोहित का तेज गेंदबाजी के प्रति बचपन से लगाव था और वह बहुत मेहनती थे। 2011-12 में हरियाणा के लिए प्रथम श्रेणी में डेब्यू करने वाले मोहित ने उस सीजन में महज 3 मैच खेले थे और इन तीन मैचों में ही अपनी गेंदबाजी से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। इसके अगले सीजन (2012-13) में उनका प्रदर्शन और प्रभावशाली रहा। वह उस सीजन रणजी ट्रॉफी में देश के पांचवें सफल गेंदबाज थे। घरेलू क्रिकेट में मोहित के शानदार प्रदर्शन ने आईपीएल में धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) का ध्यान खींचा। धोनी ने सीएसके की प्लेइंग इलेवन में मोहित को लगातार मौका दिया। मोहित ने लगातार 135 के आस-पास की गति और सटीक लाइन लेंथ से गेंदबाजी करते हुए अपनी पहचान पावर प्ले के श्रेष्ठ गेंदबाज के रूप में बनाई। आईपीएल 2013 में सीएसके के लिए मोहित ने 15 मैचों में 20 विकेट लिए थे। मोहित का यह प्रदर्शन बेकार नहीं गया और उसी साल उन्हें भारतीय टीम में मौका मिल गया। शर्मा ने 1 अगस्त 2013 को जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। वह डेब्यू मैच में ही प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। इसके बाद वह अगले 2 साल तक वनडे फॉर्मेट में भारतीय टीम का हिस्सा रहे और गेंदबाजी शुरुआत करते थे। इस दौरान 30 मार्च 2014 को उन्होंने टी20 डेब्यू भी किया। मोहित वनडे विश्व कप 2015 में मोहम्मद शमी और उमेश यादव के साथ भारत की तेज गेंदबाजी का प्रमुख चेहरा था। विश्व कप में भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और मोहित का अंतरराष्ट्रीय करियर भी यहीं ढलान की ओर मुड़ गया। 25 अक्टूबर 2015 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे उनके करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच था। मोहित शर्मा ने अपने 2 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में 26 वनडे और 8 टी20 मैच खेले। वनडे में उनके नाम 31 और टी20 में 6 विकेट दर्ज हैं। वह 2015 में वनडे विश्व में भारतीय टीम का हिस्सा थे। शर्मा का आईपीएल करियर लंबा रहा। 2013 में सीएसके के लिए डेब्यू करने वाले शर्मा ने 2025 में अपना आखिरी सीजन खेला।

केशवपुरम इलाके में माचिस मांगने को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। केशवपुरम इलाके में सिगरेट जलाने के लिए माचिस मांगने को लेकर हुए विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात में उसके साथ मौजूद एक अन्य युवक भी घायल हो गया। पुलिस ने मामले में दो युवकों को गिरफ्तार करने के साथ एक नाबालिग को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नरेश बहादुर उर्फ नेपाली (19) और तरुण (19) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, नरेश ने चाकू से भवानि और आशा राम पर हमला किया, जबकि तरुण और नाबालिग ने दोनों के साथ मारपीट की। मुख्य आरोपित की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल खून लगा चाकू बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को केशवपुरम थाने में चाकूबाजी की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो डीएसआईआईडीसी शराब की दुकान के सामने फुटपाथ पर खून पड़ा मिला। जांच में पता चला कि दो घायल युवकों को दीपचंद बंधु अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल में भवानि (30) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उसके शरीर के बाईं तरफ पीठ में गहरा घाव था। वहीं आशा राम (32) का इलाज चल रहा था। उसके बाईं तरफ सीने के निचले हिस्से में चाकू लगा था और वह बयान देने की स्थिति में नहीं था।

डूसू चुनाव 2026-27 से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर डीयू कुलपति ने की बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव 2026-27 के सुचारू रूप से संचालन हेतु विश्वविद्यालय अधिकारियों, कॉलेजों के प्रिंसिपलों, हॉल्स और हॉस्टलों के प्रोवोस्ट और पुलिस अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक आयोजित हुई। डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने डूसू चुनाव की स्थिति का जायजा लेने के साथ ही चुनाव को सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए जरूरी व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि डूसू चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होने चाहियें। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय और इसके शिक्षकों के लिए सभी विद्यार्थी बराबर हैं। कुलपति ने शिक्षकों से अपील की कि वे किसी भी तरह के पक्षपात से बचें। उन्होंने कहा कि डूसू चुनाव शांतिपूर्ण और ठीक-ठाक से हों, इसके लिए सभी संबंधित लोग पूर्ण प्रयास कर रहे हैं। प्रो. योगेश सिंह ने सभी प्रिंसिपलों से अपील की कि वे अपने-अपने कॉलेजों में अगले 3-4 दिनों तक सुरक्षा को बढ़ाए रखें। सभी कॉलेज अपने यहां एक-एक शिक्षक को नियुक्त करें, जोकि डूसू चुनाव प्रक्रिया के दौरान पुलिस के साथ लाइजनिंग का काम करें। कुलपति ने कहा कि चुनाव प्रबंधों में शिक्षकों की ज्यादा भागीदारी होने से चुनाव अच्छे से सम्पन्न होंगे।

सत्य निकेतन घटना को लेकर अभाविप का कांग्रेस-एनएसयूआई पर हमला, कहा- विद्यार्थियों की समस्या का समाधान नहीं, मुद्दा चाहिए

नई दिल्ली। सत्य निकेतन की घटना और विद्यार्थियों के लिए 10 हजार क्षमता वाले छात्रावास के निर्माण की घोषणा को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने कांग्रेस-एनएसयूआई पर निशाना साधा। अभाविप ने आरोप लगाया कि कांग्रेस-एनएसयूआई विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान चाहने के बजाय उन्हें राजनीतिक मुद्दा बनाए रखना चाहती है। अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि सत्य निकेतन की घटना के समय मलबे पर हथौड़ा चलाकर रील बनाने से लेकर अब 10 हजार विद्यार्थियों के लिए छात्रावास निर्माण की घोषणा पर सवाल उठाने तक कांग्रेस-एनएसयूआई लगातार विद्यार्थियों की समस्याओं पर राजनीति कर रही हैउन्होंने कहा कि जब छात्रावासों की कमी थी, तब कांग्रेस-एनएसयूआई इस विषय को लेकर राजनीति करती थी और अब जब विद्यार्थियों की मांग पर छात्रावास निर्माण की घोषणा हुई है, तो उसके निर्माण पर ही प्रश्न उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस-एनएसयूआई से स्पष्ट करने को कहा कि वह विद्यार्थियों की समस्या का समाधान चाहती है या केवल इस विषय को राजनीतिक मुद्दा बनाए रखना चाहती है।

यातायात नियम तोड़ने पर ट्रैफिक पुलिस ने काटे 2,511 चालान

नई दिल्ली। राजधानी में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ उत्तरी रेंज ट्रैफिक पुलिस ने बड़े स्तर पर कार्रवाई की। अलग-अलग इलाकों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 2511 चालान काटे। इनमें सबसे ज्यादा कार्रवाई सड़क किनारे गलत तरीके से वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ हुई। गलत पार्किंग के 2041 चालान काटे गए।पुलिस के मुताबिक, अभियान डीसीपी ट्रैफिक उत्तरी रेंज डॉ. सचिन कुमार सिंघल की निगरानी और निर्देशन में चलाया गया। इस दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मौके पर कार्रवाई की गई। सड़क पर गलत तरीके से वाहन खड़े करने से यातायात प्रभावित होने के साथ-साथ कई जगह जाम की स्थिति बनती है। इसी को देखते हुए गलत पार्किंग पर विशेष जोर दिया गया।

अभियान के दौरान गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। ऐसे वाहन चालकों के 383 चालान काटे गए। गलत दिशा में वाहन चलाना सड़क हादसों की आशंका बढ़ाने के साथ दूसरे वाहन चालकों के लिए भी खतरा पैदा करता है।

डॉक्टरों की सुरक्षा, कानूनी मदद और काउंसलिंग के लिए ओजोन फार्मास्यूटिकल्स ने शुरू की 'ओजोन शील्ड' पहल

'कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी राकेश रत्ती ने कहा कि डॉक्टर कई मरीजों की जान बचाने के लिए पूरी क्षमता से काम करते हैं।'

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में डॉक्टरों के साथ हिंसा, धमकी, उत्पीड़न और कानूनी विवादों की बढ़ती घटनाओं के बीच ओजोन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने डॉक्टरों को आपातकालीन सुरक्षा सहायता, कानूनी मदद और भावनात्मक संबल उपलब्ध कराने के लिए 'ओजोन शील्ड' पहल शुरू की। इसकी शुरुआत स्त्री रोग विशेषज्ञों से की जा रही है और आगे अन्य चिकित्सा विशेषज्ञताओं को भी इसमें शामिल किया जाएगा। यहां इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल डॉ. किरण बेदी ने पहल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में ओजोन फार्मास्यूटिकल्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक सुभाष सहगल,

मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल कोठियाल, वरिष्ठ अधिकारी राकेश रत्ती, महाप्रबंधक विशाल भारद्वाज और कंपनी की क्षेत्रीय टीम के सदस्य मौजूद रहे। चिकित्सा क्षेत्र से सर गंगा राम अस्पताल की आईवीएफ विभाग प्रमुख डॉ. आभा मजूमदार, अपोलो अस्पताल नोएडा की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. संचिता दुबे, छबड़ा मेडिकेयर सेंटर की निदेशक डॉ. किरण छबड़ा और विशेषज्ञ डॉ. अनुपम शर्मा सहित कई चिकित्सकों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में 'प्रोटेक्टिंग द प्रोटेक्टर्स' विषय पर पैनल चर्चा भी हुई। इसमें चिकित्सकों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा, गंभीर चिकित्सीय परिस्थितियों में मरीजों के परिजनों के उग्र व्यवहार, कानूनी कार्रवाई और सोशल मीडिया के दबाव से जुड़े अनुभव साझा किए। चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि चिकित्सकों की सुरक्षा केवल उनके व्यक्तिगत हित से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता से भी है। ओजोन फार्मास्यूटिकल्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक सुभाष सहगल ने कहा कि फार्मा उद्योग और डॉक्टर समाज की सेवा के लिए मिलकर काम करते हैं। जब डॉक्टर हिंसा या अनावश्यक कानूनी विवादों का सामना करते हैं तो उनके साथ खड़ा होना उद्योग की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 'ओजोन शील्ड' का उद्देश्य मुश्किल परिस्थितियों में डॉक्टरों को सुरक्षा, कानूनी सहायता और भावनात्मक सहयोग उपलब्ध कराना है।

दिल्ली सरकार एमजीआईसीसीसी को कर रही मजबूत : सिरसा

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संस्थान के मुख्य भवन एवं अन्य सुविधाओं में अतिरिक्त मरम्मत एवं रखरखाव कार्य भी शुरू किए गए हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्बेटिंग क्लाइमेट चेंज (एमजीआईसीसीसी) में चल रहे सिविल एवं इलेक्ट्रिकल कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में एमजीआईसीसीसी जिस नरेला विधानसभा क्षेत्र में स्थित है, वहां के विधायक राज करण खत्री भी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दिल्ली की क्षमता को मजबूत करने में एमजीआईसीसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रशिक्षण, शोध और ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से यह संस्थान पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। मंत्री ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यों को पूरा करना नहीं है, बल्कि एमजीआईसीसीसी को प्रदूषण नियंत्रण, अपशिष्ट प्रबंधन,

जैव विविधता, हरित क्षेत्र के विस्तार, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर व्यावहारिक शोध एवं क्षमता निर्माण के एक सशक्त मंच के रूप में विकसित करना भी है। समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने संस्थान में चल रहे कार्यों की प्रगति के साथ-साथ अब तक उन्नत की जा चुकी सुविधाओं की भी जानकारी ली। बहुउद्देशीय हॉल का नवीनीकरण, एप्रोच रोड एवं पाथवे का निर्माण, हॉस्टल भवन का स्ट्रक्चरल ऑडिट तथा अन्य सिविल एवं इलेक्ट्रिकल कार्यों सहित कई प्रमुख कार्य पूरे किए जा चुके हैं। गेस्ट हाउस के सिविल एवं इलेक्ट्रिकल कार्यों सहित नवीनीकरण का कार्य भी अंतिम चरण में है। इसके अलावा केबल एवं फीडर पिलर सिस्टम के उन्नयन, स्ट्रीट लाइटिंग तथा प्रदर्शनी हॉल के नवीनीकरण सहित अन्य कार्य भी प्रगति पर हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संस्थान के मुख्य भवन एवं अन्य सुविधाओं में अतिरिक्त मरम्मत एवं रखरखाव कार्य भी शुरू किए गए हैं। इनमें सिविल मरम्मत, पेंटिंग, फर्श, सैनिटरी कार्य, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल रखरखाव तथा अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का अपग्रेडेशन शामिल है। महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्बेटिंग क्लाइमेट चेंज का वर्ष 2009 में नामकरण किया गया था और यह दिल्ली सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है।

मंत्री सूद ने दिल्ली को 'सोलर कैपिटल' बनाने का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने सोलर वेंडर्स और संबंधित हितधारकों का आह्वान किया कि वे दिल्ली सरकार के साथ मिलकर राष्ट्रीय राजधानी को देश की 'सोलर कैपिटल' बनाने के लक्ष्य में सहभागी बनें। उन्होंने 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' के संबंध में आयोजित सोलर वेंडर्स मीट को संबोधित करते हुए दिल्ली में सौर ऊर्जा को तेजी से बढ़ावा देने के लिए व्यापक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की। मंत्री सूद ने कहा की हम दिल्ली को भारत की 'सोलर कैपिटल' बनाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस 'स्केल और स्पीड' के साथ काम करते हैं, हम भी उनके अनुयायी हैं और उसी गति से काम करने का प्रयास करेंगे। हम इस परियोजना को अधिक से अधिक गति और बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाएंगे। ऊर्जा मंत्री ने सोलर वेंडर्स और उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया कि दिल्ली सरकार सौर ऊर्जा को अपनाने की प्रक्रिया में आने वाली पारंपरिक बाधाओं को दूर करने और उपभोक्ताओं एवं व्यवसायों के लिए प्रक्रिया को अधिक सरल एवं सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता भी अग्रिम भुगतान करने में हिचकिचाते हैं। इसलिए सरकार ने आपके और उपभोक्ता के बीच

इस बाधा को दूर कर दिया है। हम पूरी राशि का भुगतान करेंगे। सरकार इसकी जिम्मेदारी ले रही हैसूद ने बताया कि योजना के पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दिल्ली सरकार के ऊर्जा विभाग द्वारा एक समर्पित पंजीकरण पोर्टल शुरू किया गया है। उन्होंने सोलर वेंडर्स से अपील की कि वे योजना के क्रियान्वयन को और अधिक पारदर्शी, सुगम एवं तेज बनाने के लिए अपने सुझाव और रचनात्मक फीडबैक सरकार के साथ साझा करें। उन्होंने कहा कि यदि आपके पास इस परियोजना को बेहतर तरीके से, अधिक सुगमता के साथ और अधिक गति से लागू करने के लिए कोई सुझाव है, तो आपका स्वागत है। सौर ऊर्जा के विस्तार के लक्ष्य को रेखांकित करते हुए सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार आने वाले महीनों में लगभग 2.30 लाख सोलर पैनल इंस्टॉलेशन को सुगम बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि अगले छह महीनों में इस पहल के तहत लगभग 2,600 से 2,700 करोड़ रुपये के निवेश/व्यय का अनुमान है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सौर ऊर्जा के बड़े पैमाने पर विस्तार से न केवल स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि इससे दिल्ली की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने मेगा रक्तदान शिविर की तैयारियों का किया निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन त्यागराज स्टेडियम में आयोजित होने वाले मेगा रक्तदान शिविर की तैयारियों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों, सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर जरूरी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। मंत्री ने रजिस्ट्रेशन, स्क्रीनिंग, ब्लड कलेक्शन, मेडिकल सहायता, सुरक्षा, एम्बुलेंस सेवाओं, साफ-सफाई, भीड़ प्रबंधन और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं के लिए की जा रही तैयारियों का खुद मौके पर जाकर जायजा लिया।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली के नागरिकों में मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव को लेकर बहुत ज्यादा उत्साह है और हमें पूरा भरोसा है कि बड़ी संख्या में दिल्ली के नागरिक आगे आएंगे और रक्तदान शिविर में हिस्सा लेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस मेगा रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ें और रक्तदान शिविर शुरू होने से पहले सभी जरूरी इंतजाम गुणवत्तापूर्ण मानकों के अनुसार वक्त से पहले पूरे कर लिए जाएं। मंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि ज़्यादा से ज़्यादा नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित

करने के साथ-साथ हर ब्लड डोनर के लिए सुरक्षित, सुचारू और सुविधाजनक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए आपसी तालमेल बढ़ाने के साथ सार्थक प्रयास किए जाएं।दिल्ली सरकार के अस्पतालों, अलग-अलग विभागों और एजेंसियों की मदद से दिल्ली स्टेट हेल्थ मिशन एक मेगा ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित कर रहा है। दिल्ली सरकार के अस्पतालों के ग्यारह ब्लड बैंक इस रक्तदान शिविर में मेडिकल टीमें, उपकरण, कोल्ड-चेन की सुविधाएं और सुरक्षित तरीके से ब्लड जमा करने और उसे सुरक्षित तरीके से लाने और ले जाने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने में मदद करेंगे।

एमसीडी नेता सदन जय भगवान यादव ने नजफगढ़ जोन के नंगली डेयरी का किया निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में सदन के नेता जय भगवान यादव ने दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के तहत नजफगढ़ ज़ोन के नंगली डेयरी (वार्ड संख्या 124) में स्वच्छता का निरीक्षण किया और क्षेत्र में नागरिक समस्याओं का जायजा लिया। इस क्रम में उन्होंने डेयरियों, गलियों एवं सड़कों के आसपास अतिक्रमण तथा निगम प्राथमिक विद्यालय का भी गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासियों ने नंगली डेयरी की गलियों में गंदगी और सड़कों की खराब स्थिति के बारे में यादव को बताया। लोगों ने मृत पशुओं को तत्काल उठाने की समस्या से भी उन्हें अवगत कराया। मामले की गंभीरता पर संज्ञान लेते हुए जय भगवान यादव ने अधिकारियों को मृत पशुओं को तत्काल उठाने, इलाके की टूटी हुई कच्ची नालियों को पक्का करने और सड़कों की मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यादव ने अधिकारियों को सड़कों के आसपास किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई करने और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर इसकी निगरानी करने के भी निर्देश दिए। नेता सदन यादव ने अधिकारियों को नंगली डेयरी क्षेत्र में गोबर का समय पर निपटान और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए मशीनरी और आवश्यक मानव संसाधन तैनात करने का उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया।नेता सदन ने नंगली डेयरी स्थित निगम प्राथमिक विद्यालय का भी निरीक्षण किया और बच्चों के लिए पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था को और दुरुस्त करने के लिए कहा । इस अवसर पर उनके साथ नजफगढ़ जोन के अध्यक्ष जयवीर सिंह राणा, उपाध्यक्ष सुषमा राठी, वार्ड 124 से पार्षद सविता, नजफगढ़ ज़ोन के उपायुक्त शशि प्रताप सिंह एवं सहायक आयुक्त सहित ज़ोन के विभिन्न विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

हीरो फिनकॉर्प के कॉरपोरेट खाते से 12.84 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा

बैंक रिलेशनशिप मैनेजर समेत पांच गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड के कॉरपोरेट बैंक खाते से 12.84 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले का स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने खुलासा किया है। साइबर अपराधियों ने कंपनी की जानकारी और अनुमति के बिना 317 डिजिटल लेनदेन के जरिए 12,84,09,997 रुपये 34 अलग-अलग बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिए। मामले में पुलिस ने बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है।जांच में टेलीग्राम के जरिए चीन से जुड़े साइबर समूहों के संपर्क और ठगी की रकम को यूएसडीटी में बदलकर विदेश भेजे जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने ठगी की रकम में से करीब 1.70 करोड़ रुपये विभिन्न बैंक खातों में होल्ड कराए हैं। हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड की शिकायत पर 21 अगस्त को स्पेशल सेल थाने में प्राथमिकी संख्या 135/26 दर्ज की गई थी। कंपनी को एचडीएफसी बैंक के सिस्टम अलर्ट से कॉरपोरेट खाते से लगातार हो रहे अनधिकृत लेनदेन की जानकारी मिली थी। कंपनी प्रबंधन ने किसी भी भुगतान या रकम हस्तांतरण की अनुमति नहीं दी थी।

मामले की जांच के लिए आईएफएसओ के एसीपी प्रेम चंद्र खंडूरी की देखरेख और डीसीपी गौरव त्यागी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने संदिग्ध बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल लेनदेन से जुड़े तकनीकी विवरणों का विश्लेषण किया। इसके बाद विभिन्न राज्यों में छापेमारी कर पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। बुलंदशहर निवासी अभय कुमार सोलंकी के बैंक खाते में ठगी की 60 हजार रुपये की रकम आई थी। पुलिस के अनुसार उसने यह रकम एटीएम से निकाल ली थी। कुरुक्षेत्र निवासी 26 वर्षीय लवली के नाम पर प्रॉपर्टी गैलरी का सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, थानेसर स्थित खाता है। इस खाते में ठगी की करीब 80 लाख रुपये की रकम पहुंची। पुलिस के मुताबिक, लवली ने कैथल के चीका निवासी सत्याम के कहने और लालच में यह खाता खुलवाया था। सत्याम फिलहाल फरार है।जयपुर निवासी नमन कुमार के नाम पर इंफर्मिटी सर्विसेज का यस बैंक खाता है, जिसमें करीब 40 लाख रुपये आए। उसने अपना इंडसइंड बैंक खाता भी उपलब्ध कराया था, जिसमें करीब 70 लाख रुपये जमा हुए। जांच में यह खाता देशभर में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर दर्ज 43 शिकायतों से जुड़ा मिला। पुलिस के अनुसार नमन की मुलाकात विकास के माध्यम से हरमन से हुई थी। हरमन ने उसके मोबाइल में एपीके फाइल इंस्टॉल कराकर बैंक खाते का इस्तेमाल ठगी की रकम प्राप्त करने और आगे स्थानांतरित करने के लिए किया। नमन दिल्ली आकर कृष्णा नगर स्थित होटल निर्वाण रेजीडेंसी में भी ठहरा था, जहां इसी तरीके से उसके यस बैंक खाते का संचालन किया गया। राजस्थान के बीकानेर निवासी 24 वर्षीय हरमन के संपर्क में टेलीग्राम पर कई चीनी समूह थे। वह उदयपुर निवासी देवेंद्र सिंह चौहान के संपर्क में भी था। पुलिस के मुताबिक, देवेंद्र टेलीग्राम के माध्यम से ठगी की रकम को यूएसडीटी में परिवर्तित करता था। इसके बाद रकम विदेश में मौजूद साइबर अपराधियों तक पहुंचाई जाती थी। जांच के अनुसार हरमन ने कमीशन के आधार पर नमन का बैंक खाता हासिल कर उसका संचालन किया। इसके बदले उसे देवेंद्र से करीब 1.50 लाख रुपये कमीशन मिला। जयपुर निवासी विकास (30) आरबीएल बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर है। पुलिस के मुताबिक, उसने नमन को यस बैंक और इंडसइंड बैंक में खाते खुलवाने में मदद की और उसकी मुलाकात हरमन से कराई।

दिल्ली को बिन-मुक्त बनाने की तैयारी

तीन जोन में तीन माह के भीतर शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एमसीडी ने अब पारंपरिक सामुदायिक कूड़ेदानों पर निर्भरता कम कर शहर को बड़े पैमाने पर बिन-मुक्त बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। निगमायुक्त संजीव खिरवार ने स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को वार्डवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।बैठक में स्रोत पर कचरा पृथक्करण, जोनवार स्वच्छता योजनाओं, कूड़ा संवेदनशील बिंदुओं (जीवीपी), द्वितीयक संग्रहण केंद्रों के आसपास सफाई, कचरा संग्रहण एवं परिवहन तथा विकेंद्रीकृत कचरा प्रसंस्करण जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। निगमायुक्त ने सभी जोनल उपायुक्तों को प्रत्येक वार्ड में मौजूदा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था का आकलन कर वार्डवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके तहत करीब 5 से 6 किलोमीटर के दायरे में ऐसी उपयुक्त भूमि और सुविधाओं की पहचान की जाएगी, जहां गीले एवं जैव अपघटनीय कचरे के विकेंद्रीकृत उपचार के लिए

सीबीजी, बायोगैस, कंपोस्टिंग और अन्य तकनीकों का इस्तेमाल किया जा सके। आरडब्ल्यूए और ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों के साथ-साथ अधिकृत-अनधिकृत कॉलोनियों, संकरी एवं भीड़भाड़ वाली गलियों, जेजे क्लस्टर, अस्पतालों, बाजारों, वाणिज्यिक और संस्थागत क्षेत्रों की जरूरत के मुताबिक अलग-अलग कचरा संग्रहण मॉडल तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे इलाकों में जहां बड़े पारंपरिक कचरा संग्रहण वाहन नहीं पहुंच सकते, एमसीडी उपयुक्त मार्गों की पहचान कर छोटे या विशेष रूप से डिजाइन किए गए वाहनों को तैनात करेगी। इसका उद्देश्य घर-घर कचरा संग्रहण को प्रभावी बनाना और सड़क किनारे कचरा जमा होने अथवा द्वितीयक डंपिंग को रोकना है।

सामुदायिक कूड़ेदानों पर निर्भरता को भी चरणबद्ध तरीके से कम करने की योजना है। निगमायुक्त ने इसे मौजूदा स्तर के अधिकतम 20 प्रतिशत तक लाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा है। इसके लिए तीन जोन में तीन माह के भीतर पायलट परियोजना शुरू की जाएगी। बाजारों को भी निर्धारित संग्रहण व्यवस्था और समर्पित परिवहन प्रोटोकॉल के जरिए चरणबद्ध तरीके से बिन-मुक्त किया जाएगा। अधिक आवाजाही वाले और वाणिज्यिक क्षेत्रों में रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था शुरू या मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही जरूरत वाले स्थानों पर मशीनीकृत गीली सफाई की व्यवस्था भी की जाएगी। एमसीडी की 823 जीरो वेस्ट कॉलोनियों के मॉडल को दिल्ली के अन्य उपयुक्त क्षेत्रों में लागू करने पर भी जोर दिया गया। लक्षित जीरो वेस्ट कॉलोनियों में आरडब्ल्यूए और अन्य एसोसिएशनों को श्रेडिंग मशीन उपलब्ध कराने की लागत और आर्थिक व्यवहार्यता का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं।

नगमायुक्त संजीव खिरवार ने कहा कि एमसीडी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेगा। इस वर्ष अभियान की थीम 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' रखी गई है।

अभियान के तहत स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों और कठिन एवं गंदे स्थानों का कायाकल्प, स्वच्छ सार्वजनिक स्थान, 'स्वच्छ पाठशाला-युवा फॉर स्वच्छता ', नागरिक जागरूकता और जनभागीदारी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

विहिप ने अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी का लोगो किया जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर उनके जीवन, कार्यों और सांस्कृतिक योगदान को स्मरण करने के लिए विशेष लोगो जारी किया। इस लोगो को जारी करते हुए विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय महा-मंत्री बजरंग लाल बागड़ा ने कहा यह लोगो उनके आध्यात्मिक संस्कारों, हिंदू समाज के गौरव-जागरण तथा भारतीय संस्कृति के प्रति आजीवन समर्पण को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि लोगो में अंकित अशोक सिंघल नाम श्रद्धा और सम्मान का भाव प्रकट करता है, जबकि 'जन्म शताब्दी वर्ष 1926-2015' उनके जीवन-काल को रेखांकित करता है। 27 सितंबर को उनके जन्म के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जारी यह लोगो उनके विचारों, संकल्पों और कार्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने बताया कि लोगो की भगवा-केसरिया पृष्ठभूमि त्याग, तपस्या, आध्यात्मिक चेतना, शौर्य और राष्ट्रधर्म के प्रति समर्पण का प्रतीक है। चारों ओर बना स्वर्णिम वलय भारतीय ज्ञान-परंपरा की शाश्वतता, गौरव और प्रकाश को दर्शाता है। लोगो में अंकित श्रीराम मंदिर श्रद्धेय अशोक सिंघल के जीवन के एक बड़े ध्येय तथा श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में उनके ऐतिहासिक योगदान का प्रतीक है। मंदिर के साथ लहराता भगवा ध्वज सनातन परंपरा, संगठन, त्याग और सांस्कृतिक स्वाभिमान का भाव प्रकट करता है। विहिप महामंत्री ने कहा कि लोगो के केंद्र में स्थित अशोक सिंघल का शांत, तेजस्वी और सौम्य व्यक्तित्व उनके आध्यात्मिक संस्कार, दृढ़ संकल्प, संगठन-कौशल तथा पूज्य संतों के प्रति श्रद्धा और हिंदू समाज के प्रति उनकी आत्मीयता को दर्शाता है। उनका तिलक और श्वेत वस्त्र सादगी, आध्यात्मिक आस्था और भारतीय जीवन-मूल्यों के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। नाम को उभारता गहरा लाल-मरून पट्ट ऊर्जा, साहस, संकल्प और संघर्षशीलता का भाव व्यक्त करता है, जबकि नीचे का पीताभ-स्वर्णिम आधार ज्ञान, प्रकाश, मंगल और भविष्य के प्रति आशा का संदेश देता है। बागड़ा ने बताया कि यह लोगो केवल एक दृश्य-चिह्न नहीं, बल्कि अशोक सिंघल के जीवन-संदेश का प्रतीकात्मक संकलन है।